

अमेरिका में जनभावना इज़रायल-ईरान युद्ध में अमेरिका के सीधे हस्तक्षेप के सख्त खिलाफ

इकॉनमिस्ट/यू गव के सर्वेक्षण के अनुसार, 60 प्रतिशत जनता अमेरिकी सेना के सीधे हस्तक्षेप के खिलाफ है, केवल 16 प्रतिशत जनता अमेरिका के हस्तक्षेप के पक्ष में है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 21 जून। इजरायल और ईरान के बीच तनाव खतरनाक स्तर तक बढ़ता जा रहा है। इधर अमेरिका में इकोनॉमिस्ट/यूगव के एक नए सर्वेक्षण में अमेरिकी जनता की स्पष्ट राय नज़र आई है, 60 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इजरायल-ईरान संघर्ष में अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप का विरोध किया है। इसके विपरीत, केवल 16 प्रतिशत लोग अमेरिकी हस्तक्षेप के पक्ष में हैं। यह परिणाम अमेरिकी जनता में युद्ध को लेकर बढ़ती उदासीनता को दर्शाता है, जो पिछले दो दशकों में मध्य पूर्व में खबौंते सैन्य अभियानों और इस समय घरेलू राजनीति में चल रही उथल-पुथल से उपजी है।

यह भावना कोई क्षणिक मनोदशा नहीं, बल्कि अमेरिकी जनमत में लंबे

■ इराक व अफगानिस्तान में अमेरिका के हस्तक्षेप के बाद वर्षों युद्ध चला, इन युद्धों से परेशान अमेरिकावासी, अब किसी दूसरे देश में जाकर अमेरिका लड़े, इस बात से तंग आ गए हैं।

■ विशेषकर “मिडिल ईस्ट” में वे अमेरिकी सेना का सीधा हस्तक्षेप नहीं चाहते, क्योंकि यह भावना घर कर गई है कि जब भी अमेरिका हस्तक्षेप करता है, युद्ध और लम्बा हो जाता है तथा नतीजा पूर्णतया अमेरिका के पक्ष में हो, ऐसा नहीं होता।

■ अमेरिका की जनता, विशेषकर, ईरान के विरुद्ध युद्ध में उतरने के खिलाफ है। क्योंकि ईरान की ओर से “प्रॉक्सी वॉर” लड़ने के लिए कई जगह के लोग तैयार हैं, जैसे हिजबुल्लाह लेबनान में, इराक के शिया समर्थक तथा यमन के हाउथी। अतः संभावना यह बनती है कि युद्ध शीघ्र व्यापक रूप धारण कर लेगा, जैसा वियतनाम में हुआ था, जहाँ अमेरिका लम्बे व अनिर्णित युद्ध में फंस गया था।

■ अमेरिका की युवा पीढ़ी में यह भावना जोरों से उभरी है कि कूटनीति व युद्ध को रोकना और भड़कने न देना, बेहतर नीति है।

समय से चल रहे बदलाव का हिस्सा है।

इराक और अफगानिस्तान में वर्षों तक

चले युद्ध के बाद, सभी अमेरिकन चाहे

वे किसी भी राजनैतिक रूझान के हों,

दूसरे देशों में सैन्य हस्तक्षेप को लेकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुलिस बदले की भावना से पकड़ेगी तो हम पुरजोर विरोध करेंगे : सचिन पायलट

शनिवार सुबह राजस्थान युनिवर्सिटी में परीक्षा दे रहे छात्रनेता निर्मल चौधरी और विधायक अभिमन्यु पूनिया को पुलिस ने हिरासत में लिया

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर । पूर्व उपमुख्यमंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट ने शनिवार को पत्रकारों से रूबरू होकर राजस्थान युनिवर्सिटी छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष निर्मल चौधरी और संगरिया (हनुमानगढ़) के विधायक अभिमन्यु पूनिया को पुलिस द्वारा हिरासत में लिये जाने की निंदा की। पायलट ने कहा कि “पुलिस, प्रशासन और सरकार अगर बदले की भावना से किसी को पकड़ती है तो हम लोग इसका पुरजोर विरोध करेंगे। अगर सरकार यह बात रखना चाहती है कि, जो लोग हमारे खिलाफ आवाज उठाएंगे, उनके खिलाफ हम कार्रवाई करेंगे। सरकार का इस्तेमाल करके अगर किसी की बात को दबाना चाहते हैं, तो इसको मैं गलत मानता हूँ।”

■ पुलिस का कहना है कि “निर्मल चौधरी के साथ विधायक अभिमन्यु पूनिया जबरदस्ती गाड़ी में घुसे थे, उन्हें हिरासत में नहीं लिया गया था।”

■ शनिवार सुबह दोनों नेताओं को पकड़ने के लिए युनिवर्सिटी कैम्पस में पुलिस सादा वर्दी में पहुंची थी। पुलिस ने उन्हें परीक्षा कक्ष से निकालकर पुलिस वैन में बैठाया था।

पायलट ने कहा कि, हर जनप्रतिनिधि कोई आंदोलन करता है, धरना देता है, तो उसको अधिकार है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर व्यक्ति को संविधान यह छूट देता है कि अपनी बात को रखे। मुझे लगता नहीं कि, किसी ने जान-बूझकर कानून की कोई अवहेलना की होगी।

गौरतलब है कि शनिवार सुबह

राजस्थान युनिवर्सिटी से छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष निर्मल चौधरी और संगरिया (हनुमानगढ़) के विधायक अभिमन्यु पूनिया को पुलिस ने हिरासत में लिया था। दोनों शनिवार सुबह युनिवर्सिटी में दर्शन शास्त्र की परीक्षा देने आए थे, तभी पुलिस ने पकड़ लिया। कैम्पस में सुबह से ही सिविल ड्रेस में पुलिस ने डेरा डाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छत्तीसगढ़ के नक्सली इलाकों में पहली बार योग हुआ

जगदलपुर, 21 जून। छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर के अतिसंवेदशील इलाके के पहाड़ी में जवान और ग्रामीण मिलकर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में दहशत को पीछे छोड़ते हुए खुले मन से शनिवार को पहली बार भाग लिए।

एक सौ पचासवीं बटालियन के कमांडेंट राकेश शुक्ला ने बताया कि सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों

■ आदिवासियों व सुरक्षाबलों के जवानों ने साथ मिलकर योग किया।

पूर्वति, सिलगेर और टेकलगुडैम स्थित सीआरपीएफ के कैपों में जवानों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। ग्रामीणों ने पहली बार बिंदगी में जाना कि योग क्या है और जवानों के संग मिलकर योग किया। जवानों ने ग्रामीणों को बताया कि योग स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन के लिए वरदान है। योग के बाद ग्रामीणों में खशी का माहौल था।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने खुहड़ी के धोरों में योग किया

उन्होंने तनोट माता मंदिर में पूजा अर्चना की व बीएसएफ जवानों से मुलाकात की

■ जैसलमेर के लोकप्रिय पर्यटन स्थल खुहड़ी में योग के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ आर्मी, एयर फोर्स के जवानों तथा सैकड़ों की संख्या में महिलाओं व बच्चों ने भाग लिया।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल ग्यारह सौ वर्ष पुराने किशनगढ़ फोर्ट भी गए। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक ने उन्हें कोर्ट के स्थापत्य व सामरिक महत्व की जानकारी दी।

खुहड़ी सैण्ड ड्यून्स पर मुख्यमंत्री सुबह 7 बजे से 8 बजे तक योग कार्यक्रम में सम्मिलित हुए तथा सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों के साथ योगाभ्यास किया। जयपुर से आए योग प्रशिक्षकों ने योगाभ्यास और योग की विभिन्न क्रियाएं करवाईं।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को ही भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट स्थित तनोट माता मंदिर में दर्शन किए तथा पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शौर्य की धरा पर मां तनोट राय का भव्य और

सुंदर मंदिर बनेगा और 200 कमरों का विश्राम गृह भी बनेगा। तनोट यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किशनगढ़ फोर्ट भी गए और 1100 वर्षों से अधिक प्राचीन किशनगढ़ फोर्ट के स्थापत्य और सामरिक महत्व की जानकारी ली। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक ने इस फोर्ट के इतिहास एवं सामरिक महत्व के बारे में मुख्यमंत्री को विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने तनोट माता मंदिर में शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव आयोग ने मतदान की वैबकास्टिंग सार्वजनिक करने से इन्कार किया

नयी दिल्ली, 21 जून। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने मतदान के दिन मतदान केंद्रों की वेब-कास्टिंग के रिकार्ड को किसी व्यक्ति या राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराये जाने की मांग को मतदाताओं की निजता की दृष्टि से एक जोखिम भरा मुद्दा बताया है और कहा है कि इसका उपयोग असामाजिक तत्वों द्वारा मतदाताओं पर दबाव डालने के लिए किया जा सकता है।

आयोग के सूत्रों ने कहा कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मतदान की वेबकास्टिंग की नयी

■ चुनाव आयोग ने कहा, इससे मतदाताओं की निजता को खतरा हो सकता है।

व्यवस्था आंतरिक उपयोग के लिए की है।

इसका उद्देश्य मतदान केंद्र की गतिविधियों के प्रबंध को सुचारु रखना है। वेबकास्टिंग के रिकार्ड को किसी चुनाव आयोग के संदर्भ में उच्च न्यायालय के निर्देश पर तो न्यायालय के विचारधीन प्रस्तुत किया जा सकता है, लेकिन उसे किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल को देना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की भावना के विरुद्ध होगा।

आयोग के एक सूत्र ने कहा,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या वाकई में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद पहली बार भारत की विदेश नीति लड़खड़ा रही है?

कांग्रेस के शासन में पले-बढ़े भारत के पुराने कूटनीतिज्ञ, इसी सोच में रंगे हुए हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 21 जून। स्वतंत्रता के बाद पहली बार भारत की विदेश नीति एक नाजुक एवं संकटपूर्ण मोड़ पर खड़ी नज़र आ रही है, जिससे वरिष्ठ राजनयिकों और वैश्विक मामलों के विशेषज्ञों में चिंता की लहर दौड़ गई है। ईरान-इजरायल संकट के तेजी से बिगड़ते हालात को संभालने में रणनीतिक समझ और स्पष्टता की कमी को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार की आलोचना बढ़ती जा रही है।

एक वरिष्ठ सेवानिवृत्त राजनयिक ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर सरकार की विदेश नीति की कड़ी आलोचना करते हुए, एक प्रमुख भू-राजनीतिक चुनौती के सामने, दिशाहीन होने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, “नई दिल्ली ने अपनी दीर्घकालिक रणनीतिक स्वायत्तता की

‘ईरान, भारत का पुराना आजमाया हुआ मित्र है’

सोनिया गांधी का मानना है कि कई बार यू.एन. में भारत के खिलाफ मानवाधिकार हनन के बारे में आलोचनात्मक प्रस्ताव लाने का प्रयास हुआ है, ईरान ने ये प्रस्ताव “ड्रॉप” करवाये हैं

■ सोनिया गांधी की सोच है कि अब गाज़ा में भारी बमबारी व जान-माल का भारी नुकसान हुआ है तथा ईरान पर भी मिसाइल व प्लेन्स व ड्रोन्स का हमला कूटनीति के स्थापित तौर तरीकों के पूर्णतया खिलाफ है।

■ अतः भारत को इस मौके पर चुप नहीं रहना चाहिए, बल्कि मुखरित होकर अपनी बात कहनी चाहिए।

स्थिरता की पूरी तरह अनदेखी करते हुए किया गया। ऐसी कार्रवाइयों केवल अस्थिरता बढ़ाएंगी और आगे के संघर्ष की ज़मीन तैयार करेंगी।

उन्होंने कहा कि यह हमला उस समय हुआ जब ईरान और अमेरिका के बीच के कूटनीतिक प्रयास सकारात्मक संकेत दे रहे थे, जो इसे और भी अधिक पीड़ादायक बनाता है। इस वर्ष अब तक पाँच दौर की वार्ताएँ हो चुकी थीं, और जून में छठा दौर प्रस्तावित था। मार्च 2025 में, अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गैबार्ड ने कांग्रेस में स्पष्ट रूप से कहा था कि ईरान परमाणु हथियार कार्यक्रम नहीं चला रहा है, और उसके सर्वोच्च नेता अली खामनेई ने 2003 में परमाणु कार्यक्रम का निलंबन कर दिया था। उसके बाद से इसे फिर शुरू करने की अनुमति नहीं दी है।

सोनिया गांधी ने कहा कि यह याद रखना जरूरी है कि वर्तमान इजरायली नेतृत्व, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का, शांति को कमजोर करने और कट्टरवाद को बढ़ावा देने का एक लंबा और दुर्भाग्यपूर्ण इतिहास है। उनकी सरकार का लगातार अवैध बस्तियों का विस्तार, अतिराष्ट्रवादी गुटों के साथ गठबंधन करना और दो-राष्ट्र समाधान में बाधा डालना न केवल फिलिस्तीनी जनता की पीड़ा को बढ़ाता है, बल्कि पूरे क्षेत्र को लगातार संघर्ष की ओर धकेलता है।

इतिहास हमें याद दिलाता है कि नेतन्याहू ने 1995 में नफरत की आग इतनी बढ़ाई की उसकी वजह से इजरायली प्रधानमंत्री यित्ज़ाक राबिन की हत्या कर दी गई, जिससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

■ इन लोगों का मानना है कि भारत ने अपनी पुरानी विदेश नीति, जो सामरिक दृष्टि से स्वतंत्र सोच पर आधारित थी, त्याग दी है।

■ भारत की यह विदेश नीति, रिएक्टिव, “शॉर्ट साइटेट” दृष्टिकोण पर आधारित है तथा अमेरिका से प्रभावित है। इस परिवर्तन से भारत को खास लाभ नहीं हुआ, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर, इसने भारत की विश्वसनीयता को ठेस पहुँचायी है।

■ इन पुराने कूटनीतिज्ञों का यह भी कहना है कि वॉशिंगटन व तेल अवीव के नज़दीक जाकर, उनका पक्ष लेकर भारत ने “मिडिल ईस्ट” में अपने पुराने साथियों, मित्रों का विश्वास खोया है।

■ विदेश नीति के इन जानकारों का इस लय में यह भी मानना है कि भारत पहले अपने सिद्धांतों पर आधारित दृष्टिकोण के लिए जाना जाता था तथा शांति और कूटनीति के पक्ष में बोलता था, बिना किसी के दबाव में आकर।

■ ये विशेषज्ञ पुरानी विदेश नीति का गुणगान तो करते हैं, पर, यह भूल जाते हैं कि भारत एक “मेजर प्लेयर” है अंतर्राष्ट्रीय मंच पर, अपनी आर्थिक सफलता व सफल कूटनीति के कारण।

परंपरा को त्याग दिया है और अमेरिका केन्द्रित तात्कालिक सोच वाली नीति को

अपनाया है।” उनके अनुसार, इस बदलाव से भारत को कोई ठोस लाभ

नहीं मिला है, बल्कि इससे उसकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ग्राम विकास अधिकारी से रिकवरी पर रोक लगाई

जयपुर, 21 जून। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने करौली की मंडरायल पंचायत समिति के ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ निकाली गई 3.70 लाख रुपए की रिकवरी पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख पंचायती राज सचिव और स्थानीय जिला परिषद के मुख्य

■ सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने पंचायतीराज के प्रमुख सचिव, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी से जवाब मांगा।

कार्यकारी अधिकारी सहित अन्य से जवाब तलब किया है। अधिकरण के अध्यक्ष विकास सीताराम भाले और सदस्य लेखराज तोषावड़ा ने यह आदेश बनवारी लाल की अपील पर दिए। अपील में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि विकास कार्यों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

स्वयं को बदल दो, भाग्य बदल जायेगा –कहावत

यजुर्विद संहिता के आलोक में वनानुभव से स्वास्थ्य व सुख

ते

जो से बढ़ते शहरीकरण और तनावपूर्ण जीवनशैली में वनानुभव का महत्त्व बढ़ा है। यजुर्विद संहिता में वनानुभव को परिभाषित करते हुए स्पष्ट किया गया है: एकाग्रचित्तं ज्ञानेन्द्रिय कर्मेन्द्रिय प्रयोगेनदृष्टि श्रवणप्राणस्पर्शं नरसंसयुक्तः वनानुभवः। उक्त सूत्र के साथ ही वनानुभूति शब्द का प्रयोग भी यजुर्विद संहिता में हुआ है। दोनों समानार्थी हैं: एकाग्रचित्तमनसः प्रयोगेज्ञानेन्द्रियैः कर्मण्युद्भूतम्। दृष्टिश्रवणप्राणस्पर्शं च रसानुबन्धेनवनानुभूतिः॥

जब कोई व्यक्ति एकाग्रचित्त होकर अपने मन, ज्ञानेन्द्रियों और कर्मेन्द्रियों का समुचित प्रयोग करता है—जैसे दृष्टि, श्रवण, प्राण, स्पर्श, और रस के माध्यम से— तो उसे वनों का समग्र अनुभव होता है, जिसे वनानुभव कहा जाता है। यह अनुभव मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक लाभकारी है।

इसके साथ ही यदि हरियाली में व्यायाम को समाहित कर लिया जाए तो सोने में सुहागा मिल जाता है। जैसा कि यजुर्विद संहिता में कहा गया है: प्रकृत्याऽनुभूतिर्व्ययमेनयुक्तासतोषामयुः प्रबलंविनिता। शरीरबुद्धिमनसश्चयुक्त्यारोगाग्निरुध्मन्ति सदैव नित्यम्॥ तात्वयं यह है कि प्रकृति के अनुभव के साथ व्यायाम को संयोजित करने से संतोषपूर्ण लंबी आयु प्राप्त होती है। वनानुभव, शरीर, बुद्धि, और मन के संयोजन से रोगों का प्रतिकार होता हुए निरंतर स्वास्थ्य बनाए रखता है। रोचक बात यह है कि नदी के किनारे वनानुभव और भी अधिक लाभकारी होता है: वनस्पत्यौन्दर्यसुखस्यहेतुः स्वास्थ्यं च दीर्घसुखमसितत्रा। नद्यास्तटेयत्रवनानुभूतिंनुजालभन्तेमनसः प्रसादम्॥ वन का सौंदर्य और सुख स्वास्थ्य और दीर्घकालिक सुख का कारण है। जहाँ नदी के किनारे लोग वनानुभव प्राप्त करते हैं, वहाँ वे मन की शांति और प्रसन्नता पाते हैं।

शहरी जीवन में हरित क्षेत्र, वनों, बागीचों का समावेश अत्यंत आवश्यक है: नगरेषुवृक्षशामदा सदा याः मार्गेषुनित्यंविचियान्तिनाः। शान्तिप्रसादं च ददन्तिलोकंआरोग्यमायुः सुभागाप्रदद्यात्॥ हरितसमालिङ्गःयहिसुदुर्धर्मसंरक्षणंपर्यवेष्टिप्रतिष्ठा। आरोपितावृक्षलताः सदा यानित्यंसुखंशाश्वतधर्ममाहुः॥ तात्वयं यह है कि शहरों में वृक्षों और लताओं से भरे हुए वन, मार्गों के किनारे स्थित शांतिदायक वृक्ष, सदैव शांति और प्रसन्नता प्रदान करते हैं। ये वृक्ष निरंतर आरोग्य और लंबी आयु का वरदान देते हैं। हरे-भरे वृक्षों और लताओं को गले लगाकर हमेशा प्रतिष्ठा और सम्मान मिलता है। पर्यावरण संरक्षण के साथ ये वृक्ष सदैव सुख और समृद्धि लाते हैं, जो शाश्वत धर्म के रूप में जाना जाता है। आइये, यजुर्विद संहिता के इन सूत्रों की विस्तार से व्याख्या देखते हैं।

याज्याल्विषा त्रिवेणी व्याख्या (संस्कृत):

नारीय वनेषुस्थिताः वृक्षलताः केवलंसौन्दर्यं न ददति, अपितु शरीरस्वस्थ्यास्वयंवर्धयन्ति। यथा प्रतिपादितं आधुनिकविज्ञानज्ञानेन, वृक्षाः वायुमलिनतांनशयन्ति, कार्बणडाइऑक्साइड शोषयन्ति, तथा नाइट्रोजेनडाइऑक्साइड, सल्फरडाइऑक्साइड च विशोषयन्ति। वतादृशेषुनगरेषुवृक्षलतावनानिआविष्टसुह्रदवायुः लभ्यते। वैज्ञानिकाः प्रतिपादयन्तिअण्वमपुनतंवनानुभवंकल्याणमनसः मनसः शान्तिहृदयस्वास्थ्यं च लभते। वृक्षाः शरीरदीर्घायुधमपि कुर्वन्ति, हृदयग्राममनसुसुग्रातं, रंध्रचापारमस्पर्शरीकरणं च कुर्वन्ति।

‘हरितव्यायामः’ यत्रवनेषुव्यायामः वायुधर्शनंक्रियते, तेन न केवलंतनुः अपि तुमनः अपि स्वस्थंभवति। शास्त्रेषु उक्तंयत्वृक्षाणां निकटसमर्पयापत्यलतानुविकासं, सन्तुलनं च साध्यते। इदंशास्त्रीयाधारितंयत् नगरीय वृक्षलता वनानिमानवजीवनं स्वस्वास्थ्यवर्धनार्थं अत्यन्तमहत्वपूर्णानिभवन्ति।

एवं वृक्षलताःनगरेषुस्थिताः न केवलं शारीरिक स्वास्थ्यवर्धयन्ति, अपितु सामाजिकसन्तुलनं, सांस्कृतिकसंरक्षणं च ददति। वृक्षाःसंवाद, विश्रान्तिं च सहजयन्ति। तैचिरस्थार्थिप्रियत्वंवर्धयति, यत्रयक्तिः आत्मानंप्रकृतिसंयुक्तंअभ्यति, मनसः प्रसन्नतांलभते। वृक्षलताः पर्यावरणसंरक्षणे अपि प्रमुखंकर्तुंशक्नुवन्ति, यत्ताःकार्बणनाशिनः, वायुमर्मलंकृत्यः च सन्ति। तेनवृक्षलतावनानि केवलंसौन्दर्यं न ददति, अपितु आरोग्यमायुः च प्रददाति।

अधुना वैज्ञानिकाः प्रतिपादयन्तिअनुश्लाः न केवलंस्वावलम्बनंवर्धयन्ति, अपितु सामाजिक-पर्यावरणीय संतुलनं च स्थापयन्ति। वृक्षलतायाः समृद्धिः मानवजीवनस्यशाश्वतधर्मस्यसूचिकाभवति। वृक्षलताः आरोग्यायमनसः सुखाय च प्रतिष्ठिताभवन्ति। वृक्षरक्षणं पर्यावरणसंरक्षणाय अत्यावश्यकं अस्ति, यतोवायुमलिनतायानिवारणं च भवति। हरितंप्रतिष्ठं यदा नगरेषुक्रियते, तदा सर्वहिताय सुदीर्घकालिकपरिणामः सिद्ध्यति।

याज्याल्विषा त्रिवेणी व्याख्या (हिंदी):

नगरीय वनों में स्थित वृक्ष और लताएँ केवल सौंदर्य प्रदान नहीं करतीं, बल्कि शरीर के स्वास्थ्य को भी बढ़ाती हैं। जैसा कि आधुनिक विज्ञान में प्रतिपादित किया गया है, वृक्ष वायु की अशुद्धियों को नष्ट करते हैं, कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, और नाइट्रोजेन डाइऑक्साइड तथा सल्फर डाइऑक्साइड को शुद्ध करते हैं। इस प्रकार के नगरों में वृक्ष-लताओं वाले वन शुद्ध वायु प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक बताते हैं कि इस प्रकार के वन अनुभव से मनुष्य को मानसिक शांति और हृदय स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। वृक्ष शरीर को दीर्घायु बनाते हैं, हृदय की कार्यक्षमता में सुधार करते हैं और रक्तचाप को स्थिर रखते हैं।

‘हरित व्यायाम’ अर्थात् वनों में व्यायाम या पदयात्रा से न केवल शरीर स्वस्थ होता है, बल्कि मन भी शांत और सुदृढ़ होता है। शास्त्रों में कहा गया है कि वृक्षों के निकट समय व्यतीत करने से शारीरिक विकास और संतुलन प्राप्त होता है। यह शास्त्र सम्मत है कि नगरीय वृक्ष और लताएँ मानव जीवन के स्वास्थ्यवर्धन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

वनानुभव से मन की शांति, हर्ष, सुख, संतोष, आनंद, प्रसन्नता और आत्मसंतोष की प्राप्ति होती है। हृदय की शक्ति बढ़ती है, रोग प्रतिरोधक क्षमता और श्वसन शक्ति में वृद्धि होती है, और रक्तचाप का शमन होता है। गहरी नींद की प्राप्ति होती है, संधिवात का शमन होता है, मानसिक शक्ति बढ़ती है और अवसाद का शमन होता है। ऊर्जा, उत्साह और स्मृति में वृद्धि होती है।

वृक्ष न केवल आत्मनिर्भरता को बढ़ाते हैं, बल्कि सामाजिक-पर्यावरणीय संतुलन को भी स्थापित करते हैं। वृक्ष-लताओं की समृद्धि मानव जीवन के शाश्वत धर्म का प्रतीक है। वृक्षों को स्वास्थ्य और मानसिक शांति के लिए प्रतिष्ठित किया गया है। वृक्षों का संरक्षण पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यावश्यक है, क्योंकि वे वायु की अशुद्धियों का निवारण करते हैं। जब नगरों में हरियाली और वृक्षारोपण किया जाता है, तो इसका दीर्घकालिक परिणाम सभी के हित में सिद्ध होता है।

याज्याल्विषा त्रिवेणी व्याख्या (English): Trees and plants in urban forests not only provide beauty but also enhance physical health. As modern science has indicated, trees remove air pollution, absorb carbon dioxide, and purify nitrogen dioxide and sulfur dioxide. In cities with such tree-plant-filled forests, clean air becomes accessible. Scientists have also shown that through such forest experiences, humans attain mental peace and heart health. Trees contribute to longevity, improve heart function, and stabilize blood pressure.

"Green exercise," where one engages in physical activity or walks in the forest, not only benefits the body but also keeps the mind healthy and calm. Scriptures mention that spending time near trees leads to physical development and balance. Scientifically, it is evident that urban tree-filled forests are crucial for enhancing human health.

Similarly, trees and plants in cities not only improve physical health but also provide social balance and cultural preservation. Trees naturally foster communication and relaxation. They enhance a lasting sense of connection, where individuals feel united with nature, finding mental happiness and long-term well-being. Trees and plants also play a key role in environmental conservation, as they absorb carbon and purify the air. Thus, tree-filled forests in cities not only offer beauty but also contribute to health and longevity.

Modern scientists also emphasize that trees not only promote self-reliance but also help establish social-environmental balance. The flourishing of trees symbolizes the eternal principle of human life. Trees are established for health and mental well-being. Protecting trees is crucial for environmental preservation, as they remove air pollutants. When greenery and tree planting are undertaken in cities, it leads to long-term benefits that serve the welfare of all.

यजुर्विद संहिता का यह सूत्रवनानुभव की फलश्रुतिको स्पष्ट कर देता है: वनानुभवेनचित्तशान्तिः हर्षसुखसन्तोषानन्दप्रसन्नताआत्मसन्तोषः च। हृदयबलवृद्धिः व्याधिक्षमत्वश्वसनसामर्थ्यवृद्धिःरक्तदाबशमनम्। निद्रासिद्धिः संधिवातशान्तिःमानसिकशक्तिवृद्धिःअवसादशमनम् च। जटराग्निवृद्धिः त्वक्स्वास्थ्यवृद्धिः चर्मरोगशान्तिः स्नायुव्याधिशमनम् च। ऊर्जा संवर्धनंनत्सहार्धवर्धनंमस्मृतिवर्धनम् च।

याज्याल्विषा त्रिवेणी व्याख्या (हिंदी): वनानुभव से मन की शांति, हर्ष, सुख, संतोष, आनंद, प्रसन्नता और आत्मसंतोष की प्राप्ति होती है। हृदय की शक्ति बढ़ती है, रोग प्रतिरोधक क्षमता और श्वसन शक्ति में वृद्धि होती है, और रक्तचाप का शमन होता है। गहरी नींद की प्राप्ति होती है, संधिवात का शमन होता है, मानसिक शक्ति बढ़ती है और अवसाद का शमन होता है। पाचन शक्ति में वृद्धि होती है, त्वचा का स्वास्थ्य सुधराता है, चर्मरोग और स्नायु संबंधी विकारों का शमन होता है। ऊर्जा, उत्साह और स्मृति में वृद्धि होती है।

याज्याल्विषा त्रिवेणी व्याख्या (English): The Forest Experience leads to mental peace, joy, happiness, contentment, bliss, cheerfulness, and self-contentment. It increases heart strength, enhances disease resistance and immunity, respiratory capacity, and alleviates blood pressure. One attains restful sleep, relief from arthritis, improved mental strength, and relief from depression. Digestive fire improves, skin health is enhanced, and skin diseases and nerve disorders are alleviated. Energy, enthusiasm, and memory are all enhanced.

अंत में, यजुर्विद संहिताका यह सूत्र बहुत महत्वपूर्ण है: सुखमूलंस्वात्मसमाजप्रकृतिसंयोगः ततोत्रयस्पर्शसंवर्धनं च। अर्थात् स्वयं अपने साथ, समाज, और प्रकृति के साथ सार्थक संबंध ही सुख का मूल है। ये तीनों आनंद के मूल इसलिए हैं क्योंकि: प्रकृतिसंयोगः सारः समाजः पुष्टिकारकः। आत्मैक्यंपरमंतत्त्वंनित्यानन्दप्रदं सदा॥ प्रकृति के साथ जुड़ाव सार्थक और महत्वपूर्ण है, समाज के साथ जुड़ाव पोषण और विकासकारी होता है, और आत्मा के साथ एकत्व ही परम सत्य है, जो सदा नित्य आनंद प्रदान करने वाला है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में राष्ट्रीयआयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)



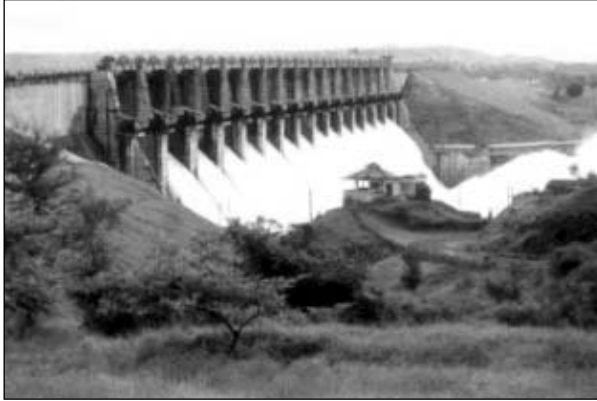
सुश्री नवधा परदेशी

राजस्थान के दक्षिणी छोर पर बसा प्रतापगढ़ जिला अपने नैसर्गिक सौंदर्य और समृद्ध जैव विविधता के लिए विशेष पहचान रखता है। यहां की घाटियाँ, सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य की वनसंपदा, भंवर सेमला बाँध, जाखम बाँध, दीपेश्वर तालाब, माही बेकवाटर्स और बावड़ी जैसे जलस्रोत और जनजातीय संस्कृति मिलकर एक ऐसा अद्भुत संगम रचती हैं, जिसे यदि संवारा जाए तो यह क्षेत्र देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपना विशिष्ट स्थान बना सकता है।

इस संभावना को धरातल पर उतारने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयत्नशील है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी सोच के तहत आदिवासी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2025-26 के बजट में 100 करोड़ रुपये से 'ट्राइबल टूरिस्ट

सर्किट' की घोषणा की गई। यह घोषणा जनजातीय मूल्यों, संस्कृति और परंपरा को सम्मान देने का एक सशक्त प्रयास है। क्षेत्र में पर्यटन के विकास के लिए प्रकृति को सहजना अत्यंत जरूरी है इसी सोच के साथ 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' न केवल एक अभियान रहा, बल्कि यह एक जनक्रांति बन गया। जैसे ही 5 जून को यह अभियान प्रारंभ हुआ, कांठल की धरा ने एक नई ऊर्जा के साथ कवच ली। पहले ही दिन से आमजन, जनप्रतिनिधि और सरकारी कर्मचारी एक साथ मिलकर नालियों की सफाई करते, पौधारोपण करते, पुरानी बावड़ियों को संवारेते हुए दिखे। यह दृश्य साक्षात् उस प्राचीन रिस्ते की पुनर्पिभाषित करने जैसा था जो मानव और प्रकृति के बीच जन्मों से रहा है। पर्यटन को संभावनाओं को वास्तव में साकार करने के लिए आवश्यक है कि संबंधित क्षेत्र स्वच्छता की दृष्टि से दुरुस्त हो और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखा जाए। स्वच्छ वातावरण न केवल पर्यटकों को आकर्षित करता है, बल्कि स्थानीय लोगों की जिम्मेदारी और जागरूकता का परिचायक भी होता है।

इस अभियान के दौरान जब विभिन्न विभागों और ग्रामवासियों ने मिलकर वर्षों से उपेक्षित जल स्रोतों, नालियों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई की, तो उसका प्रभाव केवल



भौतिक नहीं था। 'पूर्व एवं पश्चात' छवियां केवल फ़ोटो नहीं हैं, वे उस मानसिकता की झलक हैं जिसने हम क्यों करें की सोच से यह हमारा कर्तव्य है तक का परिवर्तन कर दिखाया। जब वंदे गंगा और हरियाली राजस्थान के तहत बिखरे पत्तों की जगह हरीतिमा लेगी तब असल में विकास की परिभाषा गढ़ी जाएगी। यह जन आंदोलन केवल सफाई और पौधारोपण का कार्य नहीं है – यह एक चेतना है, एक प्रेरणा है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए सतत विकास और प्रकृति-संरक्षण का मार्ग प्रशस्त करेगा। प्रतापगढ़ जैसे जनजातीय जिले के लिए यह विशेष महत्व रखता है, जहां सदियों से मानव और प्रकृति का प्रेम अटूट रहा है। इस अभियान ने न केवल पर्यावरणीय चेतना को पुनर्जीवित किया

बल्कि यह भी सिद्ध किया कि विकास केवल कंक्रीट और शहरीकरण से नहीं होता – वह तब होता है जब जनजातीय अस्मिता, लोकसंस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों को केंद्र में रखकर योजनाएं बनाई जाएं। आज जब राजस्थान सरकार राज्य की पहचान को नए दृष्टिकोण से परिभाषित करना चाहती है, तो हमें इसे केवल सूखे प्रदेश या रेगिस्तानी भूभाग के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे राज्य के रूप में देखना होगा, जिसने पर्यावरणीय संतुलन, जनजाति अस्मिता और सरकारी सहभागिता को एक नई परिभाषा दी है। राज्य सरकार का यह प्रयास केवल अभियान नहीं बल्कि जनचेतना को जगाने वाला एक ऐतिहासिक कदम है। यही वह दृष्टिकोण है, जो 'वंदे गंगा' जैसे अभियानों को सिर्फ सरकारी कदम नहीं, बल्कि जन-आंदोलन, जन-संवाद और

सहायक जनसम्पर्क अधिकारी, प्रतापगढ़ सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान

कैंसर से बचाव और उपचार में योग की भूमिका



अशोक कुमार

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बहुत-बहुत बधाई! योग के माध्यम से स्वास्थ्य और शांति का प्रसार हो !योग कैंसर का सीधा इलाज नहीं है, लेकिन यह कैंसर से बचाव और उपचार के दौरान होने वाली समस्याओं को कम करने में बहुत सहायक हो सकता है। यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

कैंसर से बचाव में योग की भूमिका:-

तनाव कम करना: योग तनाव और अवसाद को कम करने में मदद करता है। तनाव कोर्टिसोल हार्मोन के स्तर को बढ़ाता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली

को कमजोर कर सकता है और नींद में गड़बड़ी पैदा कर सकता है। योग से तनाव कम होने पर प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है।

बेहतर नींद: योग नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है, जो समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। अच्छी नींद शरीर को खुद को ठीक करने और मजबूत बनाने में मदद करती है।

स्वस्थ जीवनशैली: योग एक अनुशासित जीवनशैली को बढ़ावा देता है, जिसमें स्वस्थ आहार और नियमित शारीरिक गतिविधि शामिल है। ये सभी कारक कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं।

प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना: योग के अभ्यास से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है, जिससे शरीर बीमारियों से लड़ने में बेहतर ढंग से सक्षम होता है।

शरीर का डिटॉक्सिफिकेशन: कुछ योग अभ्यास और प्राणायाम शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करते हैं, जो कैंसर के जोखिम को कम कर सकते हैं।

कैंसर उपचार में योग की भूमिका: कैंसर के उपचार के दौरान, योग

रोगियों को कई तरह से लाभ पहुंचा सकता है:-

साइड इफेक्ट्स का प्रबंधन: कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी जैसे उपचारों के कारण थकान, दर्द, मतली, चिंता, अवसाद, नींद की समस्या और मूड स्विंग्स जैसे दुष्प्रभाव हो सकते हैं। योग इन लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

शारीरिक शक्ति और लचीलापन: कैंसर और उसके उपचार से शरीर कमजोर हो सकता है। योग शरीर में लचीलापन, शक्ति और संतुलन में सुधार करने में मदद करता है।

भावनात्मक संतुलन: कैंसर का निदान और उपचार मानसिक रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण होता है। योग ध्यान और श्वास अभ्यास के माध्यम से रोगियों को मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन प्राप्त करने में मदद करता है।

दर्द प्रबंधन: योग दर्द सहने की क्षमता को बढ़ा सकता है और दर्द निवारक दवाओं पर निर्भरता को कम करने में मदद कर सकता है।

लसीका परिसंचरण में सुधार: कोमल योग मुद्राएँ लसीका परिसंचरण को बढ़ावा दे सकती हैं, सूजन को कम कर सकती हैं और समग्र उपचार को बढ़ावा दे सकती हैं।

कपालभाति: यह प्राणायाम विभिन्न प्रकार के कैंसर से निजात दिलाने में सहायक माना जाता है, और यह लिवर के स्वास्थ्य और तनाव कम करने में भी मदद करता है।

अनुलोम-विलोम: यह भी कैंसर के रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है, और मानसिक शांति प्रदान करता है।

शीतली और शीतकारी प्राणायाम: कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी के कारण शरीर में उत्पन्न अधिक गर्मी को शांत करने के लिए ये प्राणायाम फायदेमंद हैं।

भुजंगासन: यह लंग कैंसर के लिए सहायक है।

उत्तान पादासन: पेट के कैंसर और आंतों के कैंसर के लिए फायदेमंद।

योग को कभी भी आधुनिक चिकित्सा उपचार के विकल्प के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे पूरक चिकित्सा के रूप में प्रयोग किया जाना चाहिए। कैंसर के मरीजों को कोई भी योगाभ्यास शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक और एक योग्य योग प्रशिक्षक से सलाह लेनी चाहिए। उनकी शारीरिक स्थिति के अनुसार ही योगासन का चुनाव करना चाहिए। शुरुआत में हल्के और धीमी गति वाले योग से करें और धीरे-धीरे अपनी क्षमता बढ़ाएं। अपने शरीर की ज़रूरतों को समझें और उस गति से आगे बढ़ें जो आपके लिए आरामदायक हो।

संक्षेप में, योग कैंसर के रोगियों के लिए शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है, जिससे वे उपचार को दुष्प्रभावों का सामना करने और बेहतर जीवन गुणवत्ता बनाए रखने में सक्षम होते हैं।

–अशोक कुमार,

विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

काम का अनुभव नहीं होने पर व्यावसायिक प्रशिक्षकों की नियुक्ति रद्द

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की आयुक्त अनुपमा जोरवाल ने निर्देश जारी किए

बीकानेर, (निसं।) योग्यता के निर्धारित मानकों की अनदेखी कर जिले के 169 स्कूलों सहित प्रदेश के लगभग 2900 स्कूलों में संविदा पर लगाए गए व्यावसायिक प्रशिक्षकों की नियुक्ति को रद्द कर दिया है। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की आयुक्त अनुपमा जोरवाल ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

जानकारी के अनुसार स्कूल शिक्षा

परिषद ने करीब 10 फर्मों के जरिए संविदा पर वोकेशनल टीचर्स की नियुक्ति की थी। इनमें योग्यता के बजाय मिलीभगत कर अयोग्य को संविदा पर नियुक्ति देने की शिकायत थी। कई शिक्षकों को तो कंप्यूटर का काम नहीं आता था। मगर शिफारिशें हाईलेवल की थी।

कई स्कूलों के प्रशासन ने शिक्षा विभाग को लिखकर देने की तैयारी

- **स्कूल शिक्षा परिषद ने करीब 10 फर्मों के जरिए संविदा पर वोकेशनल टीचर्स की नियुक्ति की थी, इनमें योग्यता के बजाय मिलीभगत कर अयोग्य को संविदा पर नियुक्ति देने की शिकायत थी**
- **कई शिक्षकों को तो कंप्यूटर का काम नहीं आता था, मगर शिफारिशें हाईलेवल की थी**

कर ली थी कि लगाए गए वोकेशनल

टीनर काम के नहीं हैं। विभाग को भी

राशिफल रविवार 22 जून, 2025



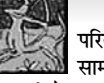
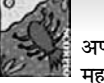
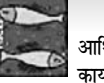
पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत् 2082, भरणी नक्षत्र सायं 5:39 तक, सुकर्मा योग सायं 4:57 तक, कोलवक सायं 2:55 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:04 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मेष, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से सायं 5:39 तक है। त्रिपुष्कर योग सायं 5:39 से रात्रि 1:22 तक है। आज योगिनी एकादशी व्रत (वैष्णवों) है। बुध कर्क राशि में रात्रि 9:33 पर प्रवेश करेगा। आज से राष्ट्रीय आषाढ़ मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:20 से 9:03 तक, लाभ-अमृत 9:03 से 12:28 तक, शुभ 2:11 से 3:54 तक।
राहुकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:19

 मेष व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।	 सिंह धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।	 धनु परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।
 वृष आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। व्यक्तिगत खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।	 कन्या चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।	 मकर घर-परिवार में अतिथियों का आम्रमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।
 मिथुन आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है।	 तुला परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।	 कुंभ महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित बातों सफल रहेंगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।
 कर्क अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सहभागिता मिलेगी।	 वृश्चिक अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य शीघ्रता/सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है।	 मीन आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सार-समाचार

योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर योग का महत्व समझाते हुए बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर वर्ष 21 जून को मनाया जाता है। क्योंकि यह दिन वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और यह दीर्घायु का प्रतीक भी माना जाता है। पहला योग दिवस वर्ष 2०15 में 21 जून को मनाया गया था। जिसकी पहल भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितंबर 2०14 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने ऐतिहासिक भाषण के माध्यम से की थी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि योग केवल शारीरिक कसरत नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक, मानसिक और शारीरिक अनुशासन है जिसकी उत्पत्ति प्राचीन भारत में हुई। ‘योग’ शब्द का अर्थ है। जोड़ना, यानी शरीर, मन और आत्मा का समन्वय। यह व्यक्तिगत चेतना को सार्वभौमिक चेतना से जोड़ने का माध्यम है। योग प्रशिक्षिका डॉ. प्रिया ने बच्चों को योग के लाभ बताए और पांच आसान आसनों का अभ्यास करने की सलाह दी। शीर्षासन, सर्वांगासन, हलासन, चक्रासन और पश्चिमोत्तानासन – प्रत्येक आसन को कम से कम एक मिनट तक करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में बीना राणी, ग्यारसीदेवी, निशांत, सनीकर उपलब्ध कराए गए हैं तथा इस सत्र में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लुंछ में इकतीस लाख रुपए की लागत से बनने वाले सभाघर का निर्माण चल रहा है और विद्यालयों की आवश्यकतानुसार फर्नीचर भी उपलब्ध कराया जा रहा है। राजकीय विद्यालयों के अलावा धार्मिक , सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों व संस्थाओं को भी बैद परिवार के द्वारा निरंतर आर्थिक सहयोग किया जाता रहा है।

भामाशाह जोधराज सम्मानित होंगे

रतनगढ़ (निसं)। राज्य सरकार और शिक्षा विभाग द्वारा प्रदान किया जाने वाला भामाशाह सम्मान रतनगढ़ के उदरमाना दानदाता जोधराज बैद को इस वर्ष भी जयपुर में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में प्रदान किया जाएगा। राजकीय विद्यालयों के विकास में निर्धारित राशि व्यय करने वाले दानदाताओं को दिया जाने वाला यह प्रतिष्ठित सम्मान जोधराज बैद इससे पहले सात बार प्राप्त कर चुके हैं। ए बी सी आई इंग्रान्ट्क्चरस और जी पी प्रोजेक्ट्स की। सी एस आर स्क्रीम के अंतर्गत करोड़ों रूपए का निर्माण विगत एक दशक में करवा चुके बैद परिवार द्वारा गत सत्र में ग्राम लोहा, लसेडी और नौसरिया के राजकीय विद्यालयों में कक्षा कक्ष, शौचालय ब्लॉक निर्माण, इंटेरेक्टिव बोर्ड व फनीकर उपलब्ध कराए गए हैं तथा इस सत्र में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लुंछ में इकतीस लाख रुपए की लागत से बनने वाले सभाघर का निर्माण चल रहा है और विद्यालयों की आवश्यकतानुसार फर्नीचर भी उपलब्ध कराया जा रहा है। राजकीय विद्यालयों के अलावा धार्मिक , सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों व संस्थाओं को भी बैद परिवार के द्वारा निरंतर आर्थिक सहयोग किया जाता रहा है।

बीजोपचार के बारे में जानकारी दी

तारानगर (निसं)। तारानगर के पंचायत समिति सभागार में कृषि विभाग द्वारा आत्मायोजना अंतर्गत कैफेटेरिया बी –11 खरीफ सीजन पूर्व किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सहायक कृषि अधिकारी सविता बुधियायि ने किसानों को खरीफ फसलों के बीजोपचार के बारे में जानकारी दी तथा किसानों को जैविक खाद डालने को प्रेरित किया इसी प्रकार उद्यान विभाग से कृषि पर्यवेक्षक भजनलाल ने किसानों को हरियाली राजस्थान के तहत ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण के लिए प्रेरित किया साथ में अन्य विभाग की योजना जैसे पाइप लाइन, फव्वारा, सोलर पैनल, प्लास्टिक मचान, प्याज पंशरण, सब्जी उत्पादन आदि योजनाओं के बारे मे किसानों को विस्तार से समझाया। फसल बीमा प्रतिनिधि कुशाल सिंह ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बारे मे जानकारी दी। गोष्ठी कार्यक्रम में अंकित, मनीषा, उजाला, विजेता, सुभाष, प्रगतिशील कृषक इंद्राज, वीरन्द्र सिंह, मोहनलाल, राजेन्द्र, दुलीचंद, दारासिंह, गोविन्द शर्मा सहित विभाग के कार्मिक व किसान उपस्थित रहे।

दोरादास स्कूल में योग दिवस मनाया

झुंझुनूं, (निसं)। दोरादास स्थित राउमावि में 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा कुलोद मंडल ग्रामीण अध्यक्ष ओमपम जाखंड ने की। प्रधानचार्य संजय शर्मा ने बताया कि योग प्रशिक्षक आनमकाश शर्मा के नेतृत्व में सत्री उपस्थित ग्रामीणों को योगाभ्यास करावाया गया। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक परमजीत कुलहरि, पूर्व पंचायत समिति सदस्य गणेशसिंह शेखावत, दोरासर सरपंच दलीप मोीणा, बृथ अध्यक्ष अमित पुनियां, सुरेंद्र शेखावत, सत्यकुमार, बाबूलाल माहिच, सुरेश गुर्जर, वीरेंद्र कुलहरि, पवन शर्मा, संजय भक्त, प्रमोद, महावीर, कर्णीराम, नर्सिग पूर्णसिंह, मांगराम, मातुराम, दातारसिंह, ओनाडसिंह, घनश्याम शर्मा, महावीर महला, नरोत्तम, प्रदीप महला, शीशराम, हरिसिंह, नरेशकुमार, चंदगीराम, दीपेंद्र, मद्योवार, ललित, रोहिताश्र, महावीर महला, विजेंद्र, बिजूसिंह सहित भाजपा के अनेक कार्यकर्ता स्टाफ के कमलेश कुमार, रामसिंह, पवनकुमार, जयसिंह, शकुंतला, रतन पुनियां, सुभन, अजय कुमार, दीपिका तथा प्रभातीलाल मीणा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने जागरूक मतदाता के रूप में शपथ ग्रहण की।

‘योग से मन शांत होता है’

झुंझुनूं, (निसं)। न्यू कॉलोनी में स्थित डिफेंस पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम संस्था के चेयरमैन डॉ. जीएल कालेर ने योग के महत्व को समझाया। आपने बताया कि योग से मन शांत होता है। ध्यान एकाग्रचित होता है तथा शारीरिक एंव मानसिक सुख प्राप्त होता है। कालेर ने बताया कि योग का हमारे स्वास्थ्य से गहरा सम्बन्ध है। यदि हम प्रतिदिन योग करते हैं तो इससे हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहता है। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. जीएल कालेर एवं अध्यापक ओमप्रकाश सैनी के सनिध्य में अनुलोम-विलाप, प्रणायाम, पद्मासन, वज्रासन, शिर्षासन, मयुरासन, भ्रामरी, ध्यान जैसी अनेक योग क्रियाएँ की गईं। कार्यक्रम का समापन योग सकल्प तथा सम्पूर्ण विश्व को कुटुम्ब मानते हुए सर्व कल्याण मंत्र सर्व भवन्तु सुखिन के साथ किया गया। कार्यक्रम में प्रभावचार्य रामसिंह रोहिला, बनिता भालोडिया, मुकेश, प्रेमिला, ममत राणी, ममता, संतोष, प्रतिमा, सारिका, पुष्पा, विकास नीतमा, मुकेश सैनी, कैलाशचंद्र, शीशराम जाखल, राकेश बेनीवाल, राकेश रेपस्वाल, सुरेंद्रसिंह शेखावत, बाबूलाल सैनी, ओमप्रकाश सैनी, अनिल ऐचरा, देवीदत्त, दलीप कुमार आदि स्टाफ ने भी योग में भाग लिया।

11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय पर स्थित झुंझुनूं संस्थापक वीरवर झुझार सिंह स्मारक में संस्थान द्वारा 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य की थीम पर आधारित इस योग दिवस समारोह में सुबह 5:30 बजे से 7 बजे तक योगाचार्य रणवीर सिंह व भागीरथ साहू के द्वारा आसन, प्राणायाम, प्रार्थना और ध्यान का योगाभ्यास करावाया गया एवं योग के बारे में और उद्देश फायदों के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। एक अप्रैल 2०25 से अनवरत चलने वाले इस योग शिविर में प्रतिदिन दो घंटे शहर के प्रखंडजनों को योगाचार्य रणवीर सिंह और भागीरथ साहू द्वारा योग एवं प्रश्नोत्तर का अभ्यास करावाया जाता है। योग करने वालों में महेंद्र सिंह, सहाराम, उम्मेद सिंह, विमला बेनीवाल, अनिता, संतोष, विनोद देवी, सुपन, अर्जुन, गजेन्द्र आदि उपस्थित रहे।

अक्षतराज सिंह ने नाम रोशन किया

झुंझुनूं, (निसं)। पैथोलॉजिस्ट डॉ. उम्मेदसिंह शेखावत के ढोहते सीकर मूल के अक्षतराज सिंह निर्वाण का भारत सरकार के केबिनेट सचिवालय के तहत ग्रुप ए राजपत्रित अधिकारी (गणपट श्रेणी) में चयन हुआ। पूर्व में अक्षतराज का चयन इंडिगो एयरलाइन में भी हुआ था। अब उन्होंने इस प्रतिष्ठित राजकीय सेवा को प्राथमिकता दी और 20 जून 2०25 को नई दिल्ली मुख्यालय में पदभार ग्रहण कर लिया। अक्षतराज सिंह के पिता भागीरथ सिंह 1997 बैच के आईएएस अधिकारी है। इनके बाबोसा पत्नी सिंह वर्तमान में राजस्थान सरकार में डीएफओ पद तथा सुरेंद्र सिंह राजकीय अध्यापक पद पर कार्यरत हैं।

विशेष योग सत्र का आयोजन

झुंझुनूं, (निसं)। एसबी के डीजी के निर्देशानुसार कार्यालय ग्रष्टाचर निरोधक ब्यूरो झुंझुनूं में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया।इस आयोजन में कार्यालय के समस्त कर्मचारियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर कर्मचारियों को योग के महत्व पर आधारित एक संक्षिप्त जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें बताया गया कि योग स्वयं के द्वारा से स्वयं के माध्यम से, स्वयं की यात्रा है। एसपी इस्माइल खान की अगुवाई में सभी ने नियमित योग का संकल्प लिया।

जिलेभर में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ आयोजित किया गया

सीकर, (निसं)। जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को राजकीय श्री कल्याण उच्च माध्यमिक विद्यालय (एस.के. स्कूल) के खेल मैदान में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रातः 6:30 बजे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का योग विषयक राष्ट्र के नाम संदेश का लाइव प्रसारण किया गया, तत्पश्चात प्रातः 7 बजे से प्रातः 8 बजे तक निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा, पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव,जिला संयोजक पवन जोशी, जिला सहसंयोजक दिनेश दादिया, हरिराम रणवा सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं आमजन ने भाग लिया।

प्रशिक्षित योगाचार्यों डॉ सुमन भामु, सुमन सहारन आलोक शोशिक, डॉ. रजनी प्रभा, अभिलाषा रणवां एवं महावीर जांगीड के निर्देशन में योग अभ्यास कराया गया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर

योगाभ्यास

कार्यक्रम आयोजित

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी (निसं)। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट एवं न्यू टैगोर पब्लिक स्कूल लक्ष्मणगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को योगगुरु प्रमोद काछवाल के नेतृत्व में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के बाद ट्रस्ट के अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा, संरक्षक प्रकाश पासोरिया यादव शास्त्री ने योगगुरु का दुपट्टा, फूलमाला, श्रीफल भेंट कर साफा पहनाकर स्वागत किया यह क्षण अत्यंत गरिमामय एवं प्रेरणादायी रहा। कार्यक्रम में ट्रस्ट के संरक्षक, प्रकाश पासोरिया, यादव शास्त्री, गिरधारी लाल जाजोदिया, अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा, प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, सुनील कुमार माली, रामपाल कुमावत, नासीर तंगाला, न्यू टैगोर स्कूल के डायरेक्टर महेंद्र घासोलिया, अनु घासोलिया, विश्वनाथ घासोलिया, श्याम मुंदडा, लखी प्रसाद बादुसरीया, रामवतार नाउवाला, भगवती प्रसाद जाजोदिया, सांवरमल भुमावाला, हरिराम कुमावत सहित ट्रस्ट के संरक्षक पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं नगर अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद पुनर्वास में दिव्यांग बच्चों ने योग किया

पाटन (निसं)। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जगन्नाथ दीवान सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पाटन में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना के साथ हुआ, जिससे स्वातिरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।इस अवसर पर योग प्रशिक्षक रामनिवास यादव व संदीप नेहरा की अगुवाई में उपस्थित जनसमूह ने पूरे प्रोटोकॉल के साथ योगाभ्यास किया। प्रशिक्षकों ने योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास करवाते हुए योग के लाभों की विस्तार से जानकारी दी।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तहसीलदार सुभाष कुलहरी ने सभी प्रतिभागियों को दैनिक

- योग दिवस पर पाटन में योग कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न**

जीवन में योग को अपनाने की प्रेरणा दी और कहा कि ‘योग दिवस की सफलता तभी सार्थक होगी जब इसे हम अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएंगे।’ साथ ही उन्होंने सभी को मतदान की शपथ भी दिलाई, जिससे का नगदिक दायित्वों के प्रति जागरूकता का संदेश गया। इस भव्य आयोजन में क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें पंचायत समिति

- योग दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम श्री कल्याण स्कूल के मैदान में आयोजित**
- ‘हमें योग को अपनी आदत में शामिल करना चाहिए’**
- ‘योग को हर घर तक पहुंचाएं, जिससे हर नागरिक स्वच्छ और निरोग रह सके’**

है। महर्षि पतंजलि द्वारा संपादित योग दर्शन, भगवद् गीता और उपनिषदों में योग के सिद्धांत और अभ्यास का गहरा उल्लेख मिलता है।

सुमेधानंद सरस्वती ने बताया कि भारत के षट्दर्शन (छह वैदिक दर्शनों) में से एक योग शास्त्र है, जिसके रचयिता महर्षि पतंजलि माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से योग करने वाला व्यक्ति अनुशासित होता है और जीवन के किसी भी क्षेत्र में असफल नहीं होता।

‘योग से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है’

झुंझुनूं, (निसं)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, न्याय विभाग एवं आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एडीजे डॉ. महेंद्र के. सिंह सोलंकी ने बताया कि इस वर्ष अन्तराष्ट्रीय योग दिवस की थीम योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ, जो मानव, प्रकृति और समग्र स्वास्थ्य के बीच सामंजस्य को बढ़ावा देने में योग की भूमिका पर जोर देती है। सचिव ने बताया कि योग के मामले में भारत विश्व गुरु है। भारत ने योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाते और योग के जरिए सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दिया है। शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए योग बेहद फायदेमंद है। यह शरीर को रोगमुक्त रखता है और मन को शांत करने में मदद करता है। योग के जरिए

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आज इस अवसर पर आयोजित किए गए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य है कि योग कैसे शारीरिक और मानसिक रोगों को ठीक कर सकता है। इस बारे में जागरूकता फैलाने के लिए, योग अभ्यास के माध्यम से बेहतर मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा

देना, बच्चों पर योग के सकारात्मक प्रभाव आपके मस्तिष्क के कार्यों, स्मृति और एकाग्रता में सुधार करता है। आपको लचीलापन हासिल करने में मदद करता है और आपकी मुद्रा में सुधार करता है। रक्त परिसंचरण में सुधार करने में मदद करता है जो आपके दिमाग और शरीर के स्वास्थ्य विकास के लिए आवश्यक है। इसलिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। योग कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झुंझुनूं के सचिव डॉ. महेंद्र के. सिंह सोलंकी, एडीजे संख्या-01 की न्यायाधीश सीमा ढाका, एडीजे संख्या-02के न्यायाधीश आशीष कुमावत, सीजेएम कालूराम, एसीजेएम आकाश कुमार, प्रशिक्षु न्यायिक मजिस्ट्रेट श्वेता स्वामी, रिमम वर्मा, कतिब शेखावत, विक्रम शीलिया, दुष्यंत गुर्जर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झुंझुनूं व जिला मुख्यालय पर कार्यरत न्यायिक कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

उप स्वास्थ्य केंद्र भवनों का शिलान्यास किया

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू ने शनिवार को विधानसभा क्षेत्र के झांझोत और जोड़िया गांवों में दो नए उप स्वास्थ्य केंद्र भवनों काशिलान्यासकिया। इन भवनों का निर्माण 55–55 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान भांबू ने जिले में हो रहे विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वंबर पुनियां, पूर्व सरपंच मदनलाल मेघवाल, सुलताना के मंडल अध्यक्ष राजकुमार जाँगिड, भाजपा जिला महामंत्री एडवोकेट सरजीत चौधरी, वीरेंद्र शेखावत, राजेंद्र लान्बा, जीएसएस अध्यक्ष राजेंद्र धायल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों को योग अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि योग से मन शांत, स्थिर और पवित्र होता है, जिससे एकाग्रता बढ़ती है और मानसिक दृढ़ता विकसित होती है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 11 वर्ष पहले योग के माध्यम से न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व को जोड़ा। यह हम सभी के लिए गौरव की बात है कि हमें ऐसा यशस्वी नेतृत्व मिला, जिसने भारतीय संस्कृति को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाई। उन्होंने आगे कहा, जब देश पर कोरोना जैसी महामारी का संकट आया, तब प्रधानमंत्री मोदी जी ने पूरे देश को एकजुट कर कोरोना के विरुद्ध मजबूती से लड़ाई लड़ी। आज योग दिवस पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि योग को अपने जीवन का नियमित हिस्सा बनाएं और स्वयं को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखें। कार्यक्रम में अभिलाषा रणवां द्वारा मनसुख रणवां स्मृति संस्थान के माध्यम से प्रतिभागियों को नि:शुल्क औषधीय पौधे वितरित किए गए।

विशेष सहभागिता:-- कार्यक्रम

में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेन्द्र सिंह जोधा,अतिरिक्त जिला कलक्टर रतन कुमार,जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजपाल यादव, यूआईटी सचिव जेपी गोड, एसडीएम निखिल कुमार, नोडल अधिकारी एवं उपनिदेशक आयुर्वेद डॉ. राजेश जोशी,योग प्रभारी योगेश मिश्रा, सहायक निदेशक जनसंपर्क पूरणमल, सीओ स्काउट बसंत लाटा, शारीरिक शिक्षक राजवीर सिंह शेखावत,पूर्व जिला परिषद सदस्य जितेंद्र कारंगा, हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड्स के जिला समन्वयक अजय कुमार, संयुक्त सचिव माया खींचड, नेता प्रतिपक्ष अशोक चौधरी, जिला साखरता अधिकारी चंद्र प्रकाश महर्षि, ईश्वर सिंह राठौड़, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी राजेंद्र सिंह चौहान, बी.एल. मील, समाजसेवी विनोद नायक, अरुण भुकर (व्यापार महासंघ), पंतजलि योगपीठ सहित कई संस्थाओं के प्रतिनिधियों, स्काउट–गाइड, कॉमिंग संस्थानों के छात्र–छात्राओं एवं शहरवासियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन योग नोडल प्रभारी एवं एडीपीसी राकेश लाटा द्वारा किया गया।

सार-समाचार

चिकित्सा शिविर आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। चूणा चौक रानी स्थित रोड स्थित इंदिरा पार्क में महावीर इंटरनेशनल सनराइज एवं चूणा चौक विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में विश्व योग दिवस के शुभ अवसर पर शनिवार सुबह योग शिविर, निशुल्क बहुउद्देशीय चिकित्सा शिविर एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल सनराज के चेयरमैन वीर राजेंद्र प्रसाद जोशी, संरक्षक डॉ. एसएन शुक्ला, डॉ. एसके भार्गव, डॉ. उम्मेद सिंह शेखावत, जौन अध्यक्ष नागएमल जांगिड, उपाध्यक्ष आलोक गौड, रीजनल सेक्रेटरी महेश कुमार मूंड, सुभाषचंद्र जोशी, एडवोकेट अनुपम शर्मा, प्रदीप शुक्ला, सीताराम सैनी, प्रदीप शर्मा, सुमेरसिंह करणवत, रमेशचंद्र शर्मा, बिहारीलाल सैनी, चूणा चौक विकास समिति के अध्यक्ष शिवचरण पुरोहित, संरक्षक डॉ. डीएन तुलस्यान, शुभकरण चोपदार ,जितेंद्र शर्मा, किशोर जांगिड, मूलसिंह, श्यामसुंदर तुलस्यान एवं सुभाष पुरोहित सहित अन्यजन उपस्थित थे। इस अवसर पर चूणा चौक विकास समिति एवं श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था की ओर से योग प्रभारी नीरज गोयल, चिकित्सा शिविर में सहयोग देने वाले डॉ. एसएन शुक्ला, डॉ. एसके भार्गव एवं बिहारीलाल सैनी का दुपट्टा ओढ़ाकर बाबा श्याम का प्रतीक चिह्न भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया गया।

योग दिवस पर विप्र महिला प्रकोष्ठ ने योगाभ्यास किया

चूरू (निसं)। स्थानीय नेचर पार्क में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार को विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ की ओर से प्रातः कालीन योग सत्र का आयोजन किया गया। विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ की संगठन महामंत्री विनीता शर्मा व अध्यक्ष सरिता शर्मा के सान्निध्य में यह शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर विनीता भर्मा ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना, मानसिक-शारीरिक संतुलन को बढ़ावा देना और योग को दैनिक जीवन में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान मंजू पारीक, चंदा बंसिया, सुनीता चोटिया, रमा नेोवाल, सरोज शर्मा, सोलोचना शर्मा, सरला इन्दोेरिया, शशिता सहित बड़ी संख्या में विप्र फाउंडेशन की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लिया और स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने का संदेश दिया।

‘मन का समभाव ही योग है’

रतनगढ़ (निसं)। विश्व योग दिवस पर आज शनिवार की प्रातः श्री रामचंद्र पार्क संकीर्तन मंडली के बरिष्ठ सदस्यों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष मोतीलाल तातेड ने सामूहिक योग कराते हुए कहा कि मन का समभाव ही योग है। उन्होंने योग के शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक लाभ बताए। इस अवसर पर कार्यक्रम में एडवो. सांवरमल चमडिया ,एडवो. पमक चमडिया ,तेरापंथ सभा के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार बैद ,ओम सारस्वत, अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष सुरेश मुरारका, कृष्णकुमार सराफ, तुलसीराम स्वामी, परमेश्वरलाल सेन, ब्रदी प्रसाद पारीक, रामवतार पुरोहित, इंद्रचंद महर्षि, सांवरमल खडिया, बनबारी लाल पारीक, रमेश सिंघी, पवनकुमार महर्षि, गोविंदप्रसाद गोरीसरिया, रामचंद्र दायमा, ताराचंद, संतोष सारस्वत, हेमलता स्वामी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ब्याज रहित एकमुश्त समाधान योजना की अंतिम तिथि 30 तक

चूरू (निसं)। मुख्यमंत्री ब्याज रहित एकमुश्त समाधान योजना के अंतर्गत भूमि विकास बैंक चूरू की ओर से चलाए जा रहे वसुली अभियान के अंतर्गत दिनांक 2०.6.2025 तक 192 बकायादारों ने 162.83 लाख रुपए की राशि जमा कराई तथा 216.1० लाख की ब्याज में राहत मिली है। बैंक सचिव निशा कुमारी ने बताया कि इस योजना की अंतिम तिथि 30 जून 2025 तक है, जिसमें बैंक का पात्र बकायादार 25 प्रतिशत राशि जमा करकर पंजीयन कर सकता है तथा शेष राशि 3०.9.2०25 तक जमा करकर योजना का लाभ ले सकते हैं। सचिव निशा कुमारी ने बताया कि इस अभियान के तहत आगामी दिनों में ग्राम सेवक सहकारी समिति स्तर पर कैप लगाए जायेंगे तथा बैंक के पात्र सभी बकायदार राज्य सरकार की योजना का अधिकाधिक लाभ उठाएँ।

विश्व योग दिवस पर योगाभ्यास किया

तारानगर (निसं)। तारानगर के निजी शिक्षण संस्थान में शनिवार को उपखंड स्तरीय विश्व योग दिवस समारोह में सामूहिक भाजपा नेता राकेश जांगिड, एसडीएम राजेंद्र कुमार, डीएसपी रोहित सांखला, पालिका ईओ अजय प्रताप सहित सैकड़ों महिलाएँ पुरुषो ने योगाभ्यास किया। योग प्रशिक्षक प्रधानाचार्य देवकराणिसिंह ने योगाभ्यास करावाया। इस मौके पर नगर अध्यक्ष अनूप खंडेलवाल, जमरदीन तेली, आईजीएनपी एक्सईएन प्रभुसिंह, सुशील सारवणी, कैलाश चाचान, अजीत सिंह राठौड़, डॉक्टर देवीलाल जोशी, त्रिलोक रेगर, वीर बहादुर सिंह राठौड़, विशाल शर्मा सहित कस्बे के सैकड़ों महिलाएँ व पुरुषों ने योगाभ्यास किया।

आज जिला आपूर्ति रहेगी

चूरू (निसं)। 11 केवी विद्युत लाइन शिफ्टिंग के कार्य के कारण रविवार 22 जून 2025 को 11 केवी आकाशवाणी फीडर व 11 केवी ओल्ड घंटेल फीडर प्रातः 07 से 11 बजे तक व घंटे बंद रहेगा। जोधपुर डिस्कॉम के सहायक अभियंता शहर द्वितीय ओम प्रकाश जाखंड ने बताया कि इसके अंतर्गत शेखावत कॉलोनी, मयूर विहार, लिटिल फ्लॉवर स्कूल, कलेक्ट्रेट क्षेत्र, आकाशवाणी, भरतिया हॉस्पिटल, केंद्रीय विद्यालय व इन क्षेत्रों से जुड़े हुए सभी विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

ग्रीन स्वराज सम्मेलन आज

चूरू (निसं)। पीपल्स ग्रीन पार्टी की ओर से आसरी गेस्ट हाउस में शनिवार को ग्रीन स्वराज सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। पीपल्स ग्रीन पार्टी राजस्थान के प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि रविवार 22 जून को प्रातः 1० बजे से पीपल्स ग्रीन पार्टी का ग्रीन स्वराज सम्मेलन आयोजित किया जायेगा।

लॉरेन्स और आनंदपाल गैंग से जुड़ा गैंगस्टर प्रवीण कमांडो गिरफ्तार

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने 25 हजार रु. के इस इनामी बदमाश को चूरू बायपास पर दबोचा

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर । एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने गैंगस्टरों और संगठित अपराधों के खिलाफ छेड़े गए अपने विशेष अभियान में एक और सफलता हासिल की है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध एवं एजीटीएफ दिनेश एमएन के कड़े निर्देशों और सटीक रणनीति के तहत एजीटीएफ ने गैंगस्टर प्रवीण सिंह जोड़ी उर्फ प्रवीण कमांडो (43) को चूरू बायपास पर धर दबोचा।



आरोपी प्रवीण सिंह

एजीटीएफ ने बताया कि पुलिस के लिए सिरदर्द बना यह अपराधी 25 हजार रुपये का इनामी और कई संगीन मामलों में वॉन्ट था जिसमें चुरू जिले की कोतवाली थाना पुलिस को सौंप दिया गया है। जिससे पुलिस की टीम गहनता से पृष्ठताछ कर रही है। दिनेश एम.एन. ने बताया कि गैंगस्टर प्रवीण सिंह पुत्र भगवान सिंह गांव जोड़ी थाना भालेरी जिला चूरू का

रहने वाला है। यह कभी पुलिस विभाग का ही हिस्सा था। वर्ष 2001 में यह जिला झालावाड़ में कांस्टेबल के पद पर भर्ती हुआ था। हालांकि, उसका पुलिस करियर छोटा रहा। लॉरेंस गैंग के मुख्य शूटर अंकित भादू को शरण देने और कुख्यात आनंदपाल गैंग से सक्रिय रूप से जुड़े होने के कारण उसे पुलिस सेवा

- 2001 में पुलिस कांस्टेबल था प्रवीण सिंह, बाद में लॉरेन्स गैंग के शूटर अंकित भादू को शरण देने और कुख्यात आनंदपाल गैंग से सक्रिय रूप से जुड़े होने के कारण उसे पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था।
- होटल में फायरिंग मामले में पुलिस आरोपी को तलाश रही थी

से बर्खास्त कर दिया गया था। बर्खास्त होने के बाद प्रवीण जोड़ी ने अपराध की दुनिया में अपनी जड़ें गहरी कर लीं। वह आनंदपाल सिंह गैंग और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए काम करने लगा। उसके मुख्य कामों में व्यापारियों के मोबाइल नंबर रोहित गोदारा और वॉरेंड जैसे गैंगस्टरों को उपलब्ध कराना शामिल था, जिसके बाद ये गैंगस्टर्स व्यापारियों को धमकी देकर फिरती वसूलते थे। इसके खिलाफ श्रीगंगानगर जिले के थाना जवाहर नगर एवं लालगढ में अपराधियों को शरण देने के तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। एजीटीएफ की टीम ने इसके साथी जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू जोड़ी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। जितेंद्र सिंह भी जोड़ी गांव का ही रहने वाला है। एजीटीएफ की टीम ने जिससे पूर्व में अत्याधुनिक हथियार दो एके-47 राइफल मैगजीन सहित और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए थे। प्रवीण जोड़ी की गिरफ्तारी 10 महीने पहले की आपराधिक घटना के संबंध में थी महत्वपूर्ण है। 18 अगस्त, 2024 को चूरू कस्बे में स्थित होटल सनसिटी के कर्मचारी मन्जत अली (35) ने थाना कोतवाली चूरू से अज्ञात बदमाशों के खिलाफ जान से मारने की नीयत से फायरिंग का मुकदमा

दर्ज कराया था। मन्जत अली के अनुसार 17 अगस्त, 2024 की रात लगभग 10:00 बजे जब वह होटल में काम कर रहा था। तभी दो अज्ञात लड़के बाइक पर आए और होटल पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जिससे वह और उसके साथी बाल-बाल बच गये। उसके व होटल स्टाफ के शोर मचाने पर हमलावर फरार हो गए। इस संगीन मामले में प्रवीण जोड़ी पर चूरू एसपी द्वारा 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। इस सफल कार्रवाई में हेड कांस्टेबल नरेंद्र सिंह और महावीर सिंह की विशेष भूमिका रही जिन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी जुटाई। टीम में इंस्पेक्टर सुभाष सिंह, एसआई शंकर दयाल शर्मा, हेड कांस्टेबल सुरेश, कमल डागर, कांस्टेबल नरेश, रतिराम और चालक का भी सराहनीय योगदान रहा। एजीटीएफ की यह कार्रवाई राजस्थान में संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस के दृढ़ संकल्प और प्रभावी कार्यप्रणाली का स्पष्ट प्रमाण है।

कोविड संक्रमितों की संख्या 625 पहुंची

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। प्रदेश में कोविड संक्रमितों के संख्या में दिन-प्रतिदिन बढ़ोतरी होती जा रही है। शनिवार को भी प्रदेशभर में 21 नए संक्रमित मरीज सामने आए, जिनमें सबसे अधिक केस जयपुर, बीकानेर और उदयपुर जिलों से हैं। चिंताजनक बात यह है कि मामले सिर्फ शहरी नहीं, अब ग्रामीण इलाकों से भी आ रहे हैं।

चिकित्सा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जयपुर में 7, बीकानेर में 5 और उदयपुर में 5 नए मरीजों की पुष्टि हुई है। इनमें 81 वर्षीय वृद्ध से लेकर 18 साल की युवती तक संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। वहीं अब तक के इस वर्ष (2025 में) कुल 625 कोविड पॉजिटिव मिल चुके हैं जिसके तीन लोगों की मौत हो चुकी है। दूसरी ओर अभी 379 मरीज ठीक हो चुके हैं, लेकिन अभी भी 243 मरीज सक्रिय हैं।

चिकित्सा विभाग ने जनता से अपील की है कि मास्क, सैनिटाइजर और सोशल डिस्टेंसिंग जैसे पुराने उपायों को फिर से अपनाएं। विशेष रूप से बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को भीड़भाड़ से बचने की सलाह दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नीति, तकनीक और नीयत से देश को दिलाई नई पहचान : कर्नल राज्यवर्धन सिंह

‘प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 साल का कार्यकाल गरीब, युवा, महिला और किसान के कल्याण को समर्पित’

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर जिले की ओर से “संकल्प से सिद्धि तक” अभियान के तहत शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया गया। प्रोफेशनल मीट के मुख्य वक्ता कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल में भारत हर क्षेत्र में मजबूत हुआ है। फिर चाहे वो सैन्य क्षेत्र हो या फिर इन्फ्रास्ट्रक्चर का क्षेत्र। मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना गोली का जवाब गोले से दे रही है।

राठौड़ ने बताया कि मोदी के कार्यकाल में ही भारत की अर्थव्यवस्था 11वें नंबर से चौथी अर्थव्यवस्था बनकर उभरी है। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब, युवा, महिला और किसान सभी के कल्याण के लिए योजनाएं बनाईं। आज सरकारी योजनाओं का पैसा गरीब के हाथों में सीधा पहुंच रहा है। भारत का यूपीआई सिस्टम मजबूत हुआ है। आज गांव, गली-मोहल्ले में छोटे से छोटा व्यापारी भी यूपीआई से डिजिटल पेमेंट ले रहा है।

मंत्री राठौड़ ने कहा कि भाजपा राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करती है। भाजपा की विचारधारा राष्ट्र



राज्यमंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़

प्रथम की विचारधारा है। यहां हर व्यक्ति के सम्मान के लिए कार्य किया जाता है। मोदी जी ने नीति, तकनीक और नीयत के माध्यम से देश को नई पहचान दिलाई है। आज विश्व में सर्वोधिक इन्फ्रा स्ट्रक्चर के क्षेत्र में कोई देश खर्च कर रहा है तो वो भारत है। भारत का इन्फ्रास्ट्रक्चर 2014 की तुलना में बेहद मजबूत और सुदृढ़ हुआ है। इससे देश में रोजगार के अवसर बढ़े हैं, तो देश की सुरक्षा भी मजबूत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब महिलाओं के लिए 4 करोड़ आवास देने, उज्ज्वला योजना में 11 करोड़ से अधिक गैस

कनेक्शन देने, हर घर जल मिशन के तहत 15 करोड़ से अधिक नल से जल उपलब्ध कराने जैसे कई योजनाएं शुरू की।

राठौड़ ने कहा कि 2014 से पहले देश को पहचान भुमिल हो रही थी, 2014 से पहले जहां वैश्विक मंच पर भारत की कोई सुनता नहीं था, वहीं आज मोदी को सुनने के लिए विश्व इंतजार करता है। भारत भी वही है, हमारी संस्कृति भी वही है लेकिन हमारी लीडरशीप बदली है।

जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि 2014 से पूर्व की सरकार जुगाड़ से चलती थी, 2014 के बाद सरकार संकल्प से चल रही है। कार्यक्रम में जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संकल्प से सिद्धि तक अभियान के जिला संयोजक राघव शर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी। इस दौरान मंच पर सह संयोजक एवं उप महापौर पुनित कर्नावट, तेज सिंह, कार्यक्रम संयोजक सुरेश गर्ग, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सौरभ सारस्वत उपस्थित रहे। प्रोफेशनल मीट में शहर के प्रमुखजन, चिकित्सक, सीए, अधिवक्तागण, पूर्व सैनिक सहित व्यापार जगत के प्रमुख जन उपस्थित रहे।

साइबर ठगी करने वाली नेपाली गैंग के 4 बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। साइबर पुलिस थाना ने साइबर ठगी करने वाली अंतरराष्ट्रीय (नेपाल) गैंग के चार साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 12 मोबाइल, एक लैपटॉप तीन बैंक चेक बुक जब्त की है। फिलहाल आरोपियों से पृष्ठताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुन्दन कंवर्िया ने बताया कि साइबर पुलिस थाना ने साइबर ठगी करने वाली अन्तराष्ट्रीय (नेपाल) गैंग के नेपाली निवासी लाल दोर्जे तामांग व सुजल तामांग व दिल्ली निवासी पवन जैन व अब्बु शाहमा को

गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके कब्जे से 12 मोबाइल, 1 लैपटॉप, चेक बुक को बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी लाल दोर्जे अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह बना रखा है। आरोपी ऑनलाईन ट्रेडिंग व गेमिंग फ्रांड़ की राशि प्राप्त करने के लिए कमीशन पर खाता लेकर चाइनीज लोगों को टेलीग्राम पर विभिन्न देशों में विभिन्न कंपनियों के ग्रूप बनाकर लोगो को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। जिसके बदले में होने वाले ट्रांजेक्शन राशि का दो से पांच प्रतिशत तक मुनाफा फूएसडीटी में लेता है। आरोपी

ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं गेमिंग के नाम पर ठगी करते हैं।आरोपीएस अधिकारी (थानाधिकारी) सोनचंद वर्मा ने बताया कि अपने मुखबिर खास से सूचना मिली कि होटल संजय पैलेस पोलीविक्ट्री सिनेमा के सामने में कुछ संदिग्ध लोग ठहरे हुए हैं। जो ऑनलाइन फ्रांड़ की राशि को हड़पने के लिए बैंक खाते किराये पर लेते हैं। उन बैंक खातों को चाइनीज गैंग को उपलब्ध कराते हैं जिसकी एवज में मोटी रकम हड़पते हैं। लाल दुर्जे द्वारा पृष्ठताछ पर करोड़ों रूपयों के साइबर फ्रांड़ में कमीशन के तौर पर 40-50 लाख रुपये कमाना बताया है।

पुलिस पृष्ठताछ में सामने आया कि आरोपी लाल दोर्जे तामांग चाइनीज लोगों से टेलीग्राम पर सम्पर्क कर 05 लाख रुपये जमा करवाकर 25 से 5 प्रतिशत कमीशन पर बैंक खाता बेचता है। खाताधारकों से 2 से 2.5 प्रतिशत में खाते खोदकर चाइनीज गैंग को 4 से 5 प्रतिशत कमीशन में खातों को ऑनलाइन फ्रांड़ के लिए उपलब्ध करवाता है। खाताधारकों के मोबाइल में अपने सहयोगियों से एपीके ऐप इंस्टॉल करवाता है। जिससे मोबाइल का एक्सेस इसके माध्यम से चाइनिज गैंग के पास पहुंच जाता है।

योगधर्म ही सनातन धर्म व युग धर्म है : स्वामी रामदेव

हमें योगयुक्त तथा नशा व रोगमुक्त हरियाणा बनाना है : नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र/जयपुर। स्वामी रामदेव महाराज के दिशानिर्देशन में 11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पतंजलि योगपीठ तथा हरियाणा योग आयोग, आयुष विभाग, हरियाणा के संयुक्त तत्वाधान में कुरुक्षेत्र में आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वामी रामदेव, आचार्य

सार है। योग अप्रतिम विद्या, योग हमारे संस्कारों, संस्कृति व प्रकृति में है। विरासत मूलक विकास का नारा प्रधानमंत्री मोदी ने दिया है। उन्होंने कहा कि देश में दवाओं के नाम पर 10 लाख करोड़ रुपए खर्च होते हैं। जब देश के करोड़ों लोग रोज योग करेंगे तो देश का



स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण महाराज तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ब्रह्मसरोवर, कुरुक्षेत्र की ऐतिहासिक भूमि पर योग साधकों को योगाभ्यास कराया।

समिति के माध्यम से आज देश में 1 लाख से अधिक निःशुल्क योग कक्षाएं संचालित हो रही हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हरियाणा तथा केंद्र सरकार पूर्ण प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य नशामुक्त व तनावमुक्त हरियाणा बनाना है। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि दैनिक जीवन में यदि आधा से एक घंटा का भी योग का क्रियात्मक अभ्यास कर लिया जाये तो जीवन को स्वस्थ, सुखी व आनन्दमय बनाया जा सकता है।

प्रतिदिन के योगाभ्यास से एंटीएजिंग, इम्युनिटी लॉगिविटी एवं डिजीज को कन्ट्रोल करने से लेकर उर्ध्वरिक्स करने का सामर्थ्य योग में है। योग पर हो रहे विभिन्न शोधों एवं वैश्विक स्तर पर वर्ल्ड के टॉपइम्पैक्ट के जनरलस में योग रिसर्च के हजारों प्रमाण प्रकाशित हो चुके हैं तथा हमने भी सैकड़ों रिसर्च पेपर योग पर पतंजलि रिसर्च फाउन्डेशन की ओर से प्रकाशित करवाये हैं। कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल बंगारू दत्तात्रेय, हरियाणा की मंत्री आरती राव, सांसद नवीन जिंदल,

- एंटीएजिंग, इम्युनिटी लॉगिविटी एवं डिजीज को कन्ट्रोल करने से लेकर उर्ध्व रिक्स करने का सामर्थ्य योग में है : आचार्य बालकृष्ण
- आज दुनिया के 200 देशों के 200 करोड़ से ज्यादा लोग कर रहे हैं योग : स्वामी रामदेव

बालकृष्ण महाराज तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ब्रह्मसरोवर, कुरुक्षेत्र की ऐतिहासिक भूमि पर योग साधकों को योगाभ्यास कराया। इसी के साथ पतंजलि योग समिति से देश के समस्त 650 जिलों में कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत निःशुल्क योग का प्रशिक्षण दिया गया। कुरुक्षेत्र की पवन धारा पर 1 लाख से अधिक योग साधकों ने एक-साथ योगाभ्यास कर नया कीर्तिमान बनाया। स्वामी रामदेव ने उपस्थित योग साधकों को योग व स्वदेशी को संकल्प दिलाया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम वन अर्थ, वन हेल्थ रही। स्वामी रामदेव ने कहा कि दुनिया में अब 200 करोड़ से ज्यादा लोग योग कर रहे हैं, योग अब युगधर्म बन गया है। उन्होंने कहा कि योग ही सनातन का

हेल्थ बजट शुन्य हो जाएगा। यदि प्रत्येक देशवासी योग करे तो देश को 10 लाख करोड़ रुपए की बचत हो सकती है। स्वामी रामदेव ने कहा कि देश में समृद्धि स्वदेशी अपनाने से ही आ सकती है। ऑक्सफैम ग्लोबल यू.के. एवं अन्य स्त्रोतों के सर्वे के अनुसार, 1765 से 1900 के बीच विदेशी कंपनियों और आक्रांताओं ने भारत से 100 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की लूट की और आज भी वह लूट निरंतर जारी है। वर्ष 1835 से चली आ रही मैकाले की शिक्षा पद्धति से देश को मुक्त करने के लिए पतंजलि गुरुकुलम् और आचार्यकुलम् जैसे संस्थान भारतीय शिक्षा बोर्ड के साथ श्रेष्ठ व्यक्तित्व, चरित्र और नेतृत्व वाले बच्चों का निर्माण कर रहे आज देश में पतंजलि योगपीठ के करोड़ों कार्यकर्ता योग सेवा कर रहे हैं। पतंजलि योग

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जैसलमेर सर्किट हाउस में की जनसुनवाई



जैसलमेर/जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान शनिवार को जैसलमेर सर्किट हाउस में जनसुनवाई की। उन्होंने आमजन की परियोजनाओं को सुनते

हुए मौके पर ही अधिकारियों को संवेदनशीलता से उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान विद्युत, जलदाय, चिकित्सा, समाज कल्याण, शिक्षा, उद्योग, राजस्व, गृह, खनन, कृषि,

सहित विभिन्न विभागों से संबंधित प्राण हुए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जिला मुख्यालय पर नियमित रूप से जनसुनवाई कर आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

एसीएस संदीप वर्मा को कृषि विभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। प्रदेश में मानसून के पहले आने समय से एक सप्ताह पहले आ जाने की अप्रत्याशित स्थिति को

देवनानी ने फ्रांस में राजस्थान के प्रवासियों को आवाहन किया “अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहे”



जर्मनी पहुंचने पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का प्रवासी राजस्थानियों ने स्वागत किया।

- मानसून में किसानों को खाद-बीज और संसाधन समय पर मुहैया कराने के उद्देश्य से की गई है नियुक्ति

देखते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव, संदीप वर्मा, को कृषि विभाग का अतिरिक्त भार भी सौंपा गया। उल्लेखनीय है कि कृषि विभाग के शासन सचिव अवकाश पर हैं और मानसून की अप्रत्याशित स्थिति को देखते हुए इस महत्वपूर्ण समय में किसानों को यूरिया व अन्य खाद सामग्री तुरंत मुहैया करवाने के उद्देश्य से स्थायी रूप से राजस्थान भंडारणनिगम की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को विभाग को अतिरिक्त भार रविवार सुबह मुख्य सचिव द्वारा दिये गये आदेश के अनुसार सौंपा गया है।

मुख्य सचिव, सुधांश पंत, द्वारा आदेश जारी करे गये हैं कि मानसून के दौरान किसानों की सहायता के लिए कृषि विभाग सभी जिलों में खाद सामग्री सहित बीजों के 'मिन किट' मुहैया कराये और जो अधिकारी अपेक्षा अनुसार कार्रवाही नहीं कर रहे हैं, उनके खिलाफ कृषि विभाग दण्डात्मक कार्रवाई भी करे।

कृषि विभाग को यह भी आदेश जारी किए गए हैं कि वह जमीनी स्तर पर सर्वे करें और 1500 से अधिक केंद्र स्थापित करें जिसके माध्यम से किसानों को टेक्चर व अन्य मशीन उपलब्ध करवायी जा सके।

- देवनानी जर्मनी पहुंचे, ओवरसीज भारतीय संगठन ने किया गर्मजोशी से स्वागत

ने निष्ठा से कार्य करते रहे लेकिन अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहे, इससे घरो में भारतीय संस्कार जीवित रहेंगे। श्री देवनानी ने कहा कि अपनी जड़ों को सूखने ना दे। देवनानी ने कहा कि राजस्थान नवाचार, तकनीक, उद्यमिता और शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। स्टार्टअप और इनेवेशन हब के रूप में उभरता राजस्थान, हरित ऊर्जा और सौर ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी स्थिति, बेहतर पेयजल योजनाएं, इन्फ्रास्ट्रक्चर, और डिजिटल ग्राम योजना का विस्तार हो रहा है।

भारतीयों और राजस्थानी प्रवासियों के लिए एक गौरवपूर्ण अवसर रहा, जहां उन्होंने अपनी मातृभूमि से आए वरिष्ठ राजनीतिज्ञ विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के विचारों को आत्मीयता से सुना और सराहा। देवनानी ने कहा भरे युवा प्रवासी मित्रों, आप वह सेतु हैं जो राजस्थान की परंपरा को

वैश्विक मंच से जोड़ते हैं। आपके अनुभव, आपके कौशल और आपकी सोच हमारे लिए अमूल्य है। देवनानी ने कहा कि मीराबाई की भक्ति, महाराणा प्रताप की वीरता राजस्थान की पहचान है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यों के साथ-साथ अपनी जन्मभूमि के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन भी करते रहे। राजस्थानियों ने देवनानी का अभिनंदन किया। समारोह में ढ़ांगरपुर, बांसवाड़ा, जयपुर, उदयपुर सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों के विद्यार्थी, विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले, व्यवसायी और आर्टिस्ट मौजूद थे। समारोह में दो आर्टिस्ट ने मनमोहक संगीतमय प्रस्तुतियां दीं।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को जर्मनी पहुंचे। जर्मनी की राजधानी बर्लिन पहुंचने पर देवनानी का ओवरसीज भारतीय संगठनों और प्रवासी भारतीयों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

सांभर से हरिद्वार के लिए विद्याधर नगर आगार की नियमित बस सेवा शुरू

जयपुर, चौमूं, सामोद, राडावास और अजीतगढ़ होते हुए चलेगी बस

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के विद्याधर नगर आगार द्वारा 22 जून 2025 से सांभर से हरिद्वार के लिए एक नई नियमित बस सेवा प्रारंभ की जा रही है। यह बस सांभर से हरिद्वार तक जोबनेर, कालवाड़, हाथोज, चौमूं, पुलिया, रामपुरा डाबड़ी, चौमूं, सामोद, धवली, राडावास, चौकी का बड़, अजीतगढ़, त्रिवेणी, शाहपुरा व दिल्ली होते हुए संचालित की जाएगी।

- यह सेवा विशेष रूप से धार्मिक यात्रियों और नियमित यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है। यह बस हरिद्वार के साथ-साथ जयपुर से अजीतगढ़ और हरिद्वार तक आने-जाने वालों के लिए भी सुगम साधन सिद्ध होगी।

यह बस सांभर से शाम 4.20 बजे रवाना होगी, इसके बाद 5.40 बजे कालवाड़, 5.55 बजे हाथोज, 6.15 बजे चौमूं पुलिया, 7 बजे रामपुरा डाबड़ी, 7.45 बजे चौमूं, 7.55 बजे सामोद, 8 बजे धवली, 8.10 बजे राडावास, 8.20 बजे चौकी का बड़, 8.30 बजे अजीतगढ़, रात्रि 1.30 बजे दिल्ली और प्रातः 6 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। इसी दिन दोपहर 3 बजे हरिद्वार से बस इसी मार्ग से सांभर के लिए लौटेगी। यह बस दिल्ली से रात्रि 8 बजे, अजीतगढ़ से रात्रि 2 बजे रवाना होकर सांभर पहुंचेगी। इस बस में राजस्थान सरकार द्वारा मोक्ष यात्रा के तहत दो यात्री हरिद्वार तक के लिए निःशुल्क एवं महिला और वरिष्ठ जन यात्री के लिए किराए में 50 प्रतिशत की छूट भी मिलेगी। इस बस सुविधा से चौमूं से लेकर अजीतगढ़ के मध्य उपस्थित सभी क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों को यह एक सुनहरी यात्रा के लिए

उपस्थिति रहेगी। जिसके तहत सामोद, म्हार, धवली, गुलाब बाड़ी, राडावास, हनुतिा, नायन चौकी का बड़, अमरसर और अजीतगढ़ के समीपवर्ती क्षेत्र को भी सुविधा मिलेगी। यह बस अजीतगढ़ नज़दीकी क्षेत्र के लिए भी रात्रि में जयपुर जाने के लिए एकमात्र विकल्प रहेगी, क्योंकि अजीतगढ़ से जयपुर के लिए प्रथम बस प्रातः 6 बजे उपस्थित है। विद्याधर नगर आगार, जयपुर के मुख्य प्रबंधक का कहना है कि यह सेवा न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि क्षेत्रीय यात्रियों के लिए एक आरामदायक, सुलभ और सुरक्षित परिवहन सुविधा भी प्रदान करेगी।

भीलवाड़ा में मानसून की पहली जोरदार बारिश से बस्तियों में पानी घुसा

शहर के कई अंडरब्रिज में पानी भर जाने के कारण कई वाहन फंस गए

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा में मानसून की पहली जोरदार बारिश ने नगर निगम और प्रशानिक दावों की हकीकत भी सामने ला दी। एक और जहां सांगानेर के निकट नाले में बाइक बह गई तो वहीं दूसरी ओर शहर की कई कॉलोनियों में कचरे से अटी नालियों के कारण बरसाती पानी बस्तियों में जा घुसा। शहर के कई अंडरब्रिज में पानी भर जाने के कारण कई वाहन फंस गए। यही नहीं सिवरेज के द्वारा की गई खुदाई और लापरवाही के गड़्ढों के वाहनों के फंस जाने की घटनाएं भी सामने आईं हैं।

जानकारी के अनुसार शहर के मालोला रोड, गायत्री नगर क्षेत्र में सिवरेज कार्य ने लोगों को परेशानी में डाल दिया है। प्रशासन और निगम की लापरवाही का खामियाजा आमजन भुगतने को मजबूर है। भारी बारिश के बीच सड़के जलमग्न है तो दूसरी ओर सिवरेज के खोदे खड़े हादसों का कारण बन रहे हैं।मलोला क्षेत्र में पहले से खराब पड़ी सड़क को सिवरेज विभाग की खुदाई ने पूरी तरह से खस्ताहाल कर



बरसात होने से गड़्ढों में कई जगह पर वाहन फंस गये।

दिया। तेज बारिश ने हालात और भी बद से बदतर कर दिए हैं। खुदाई के कारण सड़क पर बने गड्ढे गड़्ढों में लगातार वाहन फंसते नजर आ रहे हैं।

गाड़ियां एक के बाद एक गड़्ढों में

फंसकर क्षतिग्रस्त हो रही हैं। इससे वाहन चालक और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गुस्साए क्षेत्रवासियों ने बारिश के बीच भी प्रदर्शन करते हुए प्रशासन और नगर

निगम पर लापरवाही के आरोप लगाए। लोगों का कहना था कि न तो प्रशासन कोई सुध ले रहा है और न ही निगम कोई कार्रवाई कर रहा है। वाहन मालिकों को खुद बुलवाकर गड़्ढों में फंसे वाहनों

■ **भारी बारिश के बीच सड़कें जलमग्न हैं तो दूसरी ओर सिवरेज के खोदे खड़े हादसों का कारण बन रहे हैं**

को बाहर निकालने को मजबूर होना पड़ रहा है। प्रशासन और निगम की लापरवाही का खामियाजा आमजन भुगत रहा है, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। वहीं दूसरी ओर मानसून की पहली जोरदार बारिश ने नगर निगम और प्रशानिक दावों की हकीकत भी सामने ला दी। एक और जहां सांगानेर के निकट नाले में बाइक बह गई तो वहीं दूसरी ओर शहर की कई कॉलोनियों में कचरे से अटी नालियों के कारण बरसाती पानी बस्तियों में जा घुसा। शहर के कई अंडरब्रिज में पानी भर जाने के कारण कई वाहन फंस गए। यही नहीं सिवरेज के द्वारा की गई खुदाई और लापरवाही के गड़्ढों के वाहनों के फंस जाने की घटनाएं भी सामने आईं हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बारिश की बूंदों में लोगों ने योग किया

राजसमंद, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शहर सहित जिलेभर में कुल 3161 स्थानों पर 1 लाख 60 हजार 404 लोगों ने योग कार्यक्रमों में भाग लिया, जो योग के प्रति बढ़ती जागरूकता और उत्साह को दर्शाता है। जिले के 206 ग्राम पंचायत स्तरों, 53 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, 12 धार्मिक पर्यटन स्थलों, विद्यालयों,

■ **राजसमंद झील पर नावों में किया सामूहिक योग**

आंगनबाड़ियों, महाविद्यालयों और विभिन्न विभागों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं ने सामूहिक रूप से इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। राजसमंद झील के नौचाकी पाल पर “एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग” थीम के साथ जिला स्तरीय कार्यक्रम में 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने एक साथ योगाभ्यास किया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग दिवस पर दिए गए उद्घोषन को सुना गया।

नौचौकी पाल पर हुए मुख्य कार्यक्रम में योग विशेषज्ञ हिमांशु पालीवाल के मार्गदर्शन में हुए इस सत्र में भारतीय थल सेना के सब लेफ्टिनेंट अक्षयराज सिंह और डॉ. रामकन्या मेनारिया ने योग प्रशिक्षक के रूप में विभिन्न योगासन और प्राणायाम का



राजसमंद में नौचाकी पाल पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और शहरवासियों ने योगाभ्यास किया।

अभ्यास करते हुए मंच साड़ा किया। राजसमंद झील में नौकायन करते हुए नौसेना के सब लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ पालीवाल ने भी विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया।

अंत में विधायक दीपति माहेश्वरी ने योग संकल्प का वाचन कराया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने अपने मन को संतुलित रखते हुए स्वास्थ्य संवर्धन के प्रचार के लिए प्रतिबद्ध रहने की शपथ ली। इस दौरान योग दिवस प्रभारी सचिव रोहित गुप्ता, विधायक दीपति माहेश्वरी, जिला प्रमुख रतनीदेवी जाट, उपजिला

प्रमुख सोहनी देवी गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष मानसिंह बाहरट, माधव चौधरी, जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा, एसपी मनीष त्रिपाठी, एडीएम नरेश बुनकर, एसपी महेंद्र पारीक, सीईओ बृजमोहन बैरवा, एसीईओ डॉ. सुमन अजमेर, उपखंड अधिकारी बृजेश गुप्ता, प्रशिक्षु आरएसएस लतिका पालीवाल सहित गायत्री परिवार, आर्ट ऑफ लिविंग, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, पंतजलि योगपीठ और क्रोडा परिषद के प्रतिनिधियों सहित बड़ी

संख्या में आमजन ने भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण राजसमंद झील में नावों पर आयोजित योग सत्र रहा। भारतीय जल सेना के सब लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ पालीवाल के नेतृत्व में मनोहरलाल, दिव्यांशु, आशुतोष, सौभाग्य, धनंजय, सानिध्य, डॉ गरिमा, डॉ जाह्नवी, गार्गी, सौभाग्य, तनिक और राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी मुकुंद माधव ने जल के मध्य योगाभ्यास कर एक अनूठा संदेश दिया। जिले के अन्य स्थानों पर भी योग दिवस पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए।

सूने मकान में चोरी

राजसमंद। जिला मुख्यालय पर कांकरोली थाना क्षेत्र के रॉयल सिटी इलाके में बीती रात चोरों ने एक सूने मकान को शिशाना बनाते हुए लाखों के आभूषण, एक लैपटॉप और अन्य कीमती सामान चुरा लिया। पीड़ित परिवार में कोई बीमार होने के कारण कमलेश जोशी अपने पैतृक मकान गए

हुए थे और इसी दौरान चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। शनिवार सुबह जब पीड़ित कमलेश जोशी अपने घर लौटे, तो उन्हें चोरी का पता चला। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था और कीमती चीजें गायब थीं। कमलेश जोशी ने तुरंत कांकरोली थाना पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मुआयना किया।

जयपुर मे 19 संदिग्ध बांग्लादेशियों को पकड़ा

जयपुर। भांक्रोटा और करणी विहार थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्नीस उन्नीस संदिग्ध बांग्लादेशियों को पकड़ा है। इसमें चार युवक, छह महिलाएं और नौ बच्चे शामिल हैं। पुलिस के अनुसार भांक्रोटा थाना इलाके में वेस्टर्न हाइट्स के पास अवैध रूप से बांग्लादेशी रह रहे

थे। वहीं करणी विहार थाना इलाके में मोनावाला में बांग्लादेशियों ने डेरा डाल रखा था। पकड़े गए बांग्लादेशियों से पूछताछ की जा रही है। उनके दस्तावेजों की जांच की जा रही है। दस्तावेजों की जांच के बाद गलत पाए जाने पर बांग्लादेशियों को डिपोर्ट किया जाएगा।

मुंबई से बेटे ने वीडियो कॉल किया, फिर फांसी लगाई

जोधपुर, (कासं)। बलदेव नगर निवासी एक युवक ने कल मुंबई से अपने घर मां को वीडियो कॉल कर उनकी आंखों के सामने फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। दिल को दहलाने वाली इस घटना के बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसे देख कर हर कोई हैरत में है कि आखिर उसने ऐसा कैसे कर लिया जबकि वीडियो काल में मां लगातार उससे मित्रते की बात रही है, पैसे की व्यवस्था करने को चाह रही है, लेकिन युवक ने मां को एक नहीं सुनी और मां की आंखों के सामने तड़प-तड़प कर फंदे पर लटक कर अपनी जान

दे दी। बताया जा रहा है कि युवक आर्थिक रुप से परेशान था। इसके चलते उसने ऐसा कदम उठाया। जानकारी के अनुसार मृतक का नाम मुजाहिद है। यह जोधपुर के मसूरिया बलदेवनगर गली नंबर दस का निवासी था। फिलहाल, यह मुंबई में रह रहा था। कल मुंबई से मां को वीडियो कॉल करके जान दे दी। घटना के बाद परिरजन शव लेने के लिए मुंबई के लिए रवाना हो गए।

तत्करी मामले में एक गिरफ्तार : उडयपुर के पाटिया थाना पुलिस ने एनडीपीएस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया। एसपी योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राठर के सुपरविजन में पाटिया थानाधिकारी देवेन्द्रसिंह राव के नेतृत्व में गठित दल ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में एमडीएमए सपलाई करने के मामले में अमजद खान निवासी गोवर्धनपुरा हथुनिया प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया। एनडीपीएस एक्ट खेरवाड़ा मामले में वांछित था। इस मामले में पूर्व में अनुसंधान अधिकारी पाटिया थानाधिकारी देवेन्द्रसिंह राव ने मोहम्मद अफजल अली निवासी करावाड़ा को गिरफ्तार किया था जिसे अमजद ने 30 ग्राम एमडीएमए सप्लाई करना कबूल किया था।

विद्युत जन समस्याओं का त्वरित समाधान करना पहली प्राथमिकता रहे : ऊर्जा मंत्री

ऊर्जा विभाग (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री हीरालाल नागर एक दिवसीय दौरे पर भीलवाड़ा पहुंचे

भीलवाड़ा, (निसं)। ऊर्जा विभाग (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री हीरालाल नागर शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर भीलवाड़ा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एवीवीएनएल) के अधीक्षण अभियंता कार्यालय में अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले की विद्युत आपूर्ति से जुड़ी व्यवस्थाओं, उपभोक्ताओं की समस्याओं, राजस्व वसूली एवं ट्रांसफॉर्मर की उपलब्धता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए नागर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ विद्युत फाल्ट या ट्रिपिंग की शिकायतें अधिक आती हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में विद्युत मांग बढ़ जाती है,

■ **मंत्री हीरालाल नागर ने एवीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता कार्यालय में अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की**

ऐसे में अधिकारियों को पूर्व से तैयारी रखनी चाहिए ताकि किसी प्रकार की आपात स्थिति में तुरंत समाधान किया जा सके। राज्यमंत्री ने यह भी कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने प्रत्येक स्तर पर त्वरित रेस्पॉन्स तंत्र विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर राहत मिल सके। ट्रांसफॉर्मर जलने, ओवरलोड की स्थिति तथा बार-बार बिजली जाने की समस्याओं को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में मंत्री नागर ने उपभोक्ता शिकायत की स्थिति, कृषि कनेक्शन

जारी करने की प्रगति, आरडीएसएस की भौतिक व वित्तीय प्रगति, बजट घोषणाओं के कार्यों की वर्तमान स्थिति इत्यादि की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य सरकार द्वारा की गई बजट घोषणा के कार्यों को तय समय पर गुणवत्ता से पूर्ण करें, विद्युत से संबंधित दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए लाइनों की नियमित अंतराल में मंटेनेंस हो। नागर ने समीक्षा के दौरान विद्युत चेरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि विभाग को इस दिशा में सख्ती से कार्य करना होगा।

ऊर्जा मंत्री ने इस दौरान बीएमएस कार्यालय के उद्घाटन व सम्मान समारोह कार्यक्रम में भी शामिल हुए। साथ ही आमजन की समस्याएं सुनकर

चाचा गंगासिंह सदमे में आ गए तथा बीमार हो गए। वे सभी मिलकर गांव डोली राजगुरु जिला बालोतरा गए, जहां पर खुशबू की लाश एम्बुलेंस में पड़ी थी, को देखा, तो पता चला कि खुशबू के शरीर पर जगह-जगह चोट के निशान थे। उसके चाचा धनसिंह तथा गंगासिंह ने खुशबू के ससुराल पक्ष के लोगों को कहा कि उनकी बेटी की आप लोगों ने दहेज की खातिर हत्या कर दी है।

इसकी जांच पुलिस से करवाई जानी जरूरी है। यह बात सुनते ही खुशबू के ससुराल वाले आग-बबूला हो गए। खुशबू के ससुराल वालों तथा वहां पर खड़े उनके रिश्तेदार थानसिंह ने उन्हें धमकी दी कि जो है वो यही है, यदि ज्यादा होशियारी करोगे तो तुम्हारी पुत्री निरमा जो पहले से ही इस घर में शादीशुदा है उसे घर से बाहर निकाल देंगे। इस कारण उसके चाचा गंगासिंह की तबीयत और खराब हो गई। खुशबू के ससुराल पक्ष के लोगों ने जबरदस्ती किसी प्रकार की जांच करवाए बिना ही अपने अपराधों को छुपाने के लिए जल्दबाजी में खुशबू के ससुराल का अंतिम संस्कार कर दिया और उन्हें कहा कि तुम्हारे से जो हो कर लेना। उन्हें वहां से डरा-धमकाकर रवाना कर दिया। पुलिस ने मृतका के पति, सास-ससुर व देवर वगैरा के खिलाफ बीएमएस की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है।

आढ़त का कारोबार बताकर फर्जी फर्म खोली, छह माह में 100 करोड़ के ट्रांजेक्शन

■ **श्रीगंगानगर पुलिस ने मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, रिमांड पर भेजा**

■ **पुलिस जांच में सामने आया कि यह फ्रॉड 18 राज्यों में और रकम 10 हजार करोड़ तक हो सकती है**

आरोपी ने करणी ट्रेडिंग कंपनी के नाम से बनी फर्जी फर्म के खाते से आगे कई फर्मों को पैसा ट्रांसफर किया था। ऐसी सभी फर्में अब पुलिस जांच के दायरे में हैं। उन्होंने बताया कि फर्जी फर्म बनाने के बाद आरोपी ने 2023-24 में करीब 6 माह में ही 99 करोड़ 65 लाख 47 हजार 938 रुपए की ट्रांजेक्शन की। यह रकम कैपमोर एफएक्स एप पर शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर लोगों से ली गई रकम का हिस्सा थी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार इस मामले में बीकानेर में कुछ और कार्रवाई भी हो सकती है। ऐसी फर्मों के खातों की जांच की जा रही है, जिनके पास करणी ट्रेडिंग कंपनी के अकाउंट से रकम ट्रांसफर हुई

है। पुलिस टीम ने बीकानेर में डेरा डाला हुआ है। ऐसे में कई अन्य आरोपियों के नाम सामने आने की संभावना है। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज होने के बाद शुरू किए गए अनुसंधान में करणी ट्रेडर्स अकाउंट की जानकारी सामने आई। यह बैंक खाता बीकानेर आढ़त के कारोबार की डिटेल देकर खुलवाया गया। करंट अकाउंट खोलते समय बैंक ने यह भी चेक नहीं किया कि जिस पते पर फर्म खोली जा रही है, वहां वास्तव में फर्म का ऑफिस है अथवा नहीं। पुलिस ने उस पते पर छापा मारा तो वहां इस फर्म के कभी भी होने के कोई सबूत नहीं मिले। आसपास के लोगों ने ऐसी किसी फर्म की जानकारी

से मना किया। फिर प्रोपराइटर आरोपी के बारे में जानकारी जुटाकर उसके गांव छापेमारी की, लेकिन आरोपी फरार हो चुका था। काफी समय से पुलिस आरोपी की तलाश में थी, जिसे अब गिरफ्तार किया गया है।

श्रीगंगानगर एसपी गौरव यादव ने बताया कि 28 जनवरी को कर्नाटक निवासी काटपाया बाबू चट्टाण ने पुलिस को बताया कि अजय आर्य और उसके साथियों ने कर्नाटक में कैपमोर एफएक्स कंपनी के नाम पर हजारों लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी की है। आरोपी श्रीगंगानगर के हैं। पुलिस ने अजय आर्य के अंकिता सिटी-2 स्थित मकान पर छापा मारा। वहां से 10 लाख रुपए नकद, 4 टीएएम कार्ड, 3 सीपीयू, 6 मोबाइल फोन, 3 पैन कार्ड, करीब 85 लाख रुपए की लज्जरी कार और साइबर उगी से जुड़े दस्तावेज बरामद किए। अजय के पिता लाजपत आर्य व भाई दीपक को गिरफ्तार किया गया।

बजरी भरे ट्रैलर व ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

निवाई, (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रैलर व ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर एक चालक को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी बृजेंद्रसिंह ने बताया कि पुलिस गस्त के दौरान पुलिस थाना के सामने नाकाबंदी पर एक टीम ने अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब 2 टन बजरी भरी हुई थी। इसी प्रकार दूसरी टीम ने एक ट्रैलर को अवैध बजरी के साथ जब्त किया है। ट्रैलर में करीब 2.2 टन बजरी भरी हुई थी। पुलिस ने ट्रैलर चालक लेखराज माली निवासी पनवाड़ देवली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वाहन चालक वी मालिक के विरुद्ध एमएमडीआर एक्ट में मामला दर्ज कर जहां शुरू कर दी है।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की सदर थाना पुलिस ने ऑनलाइन वेबसाइट पर सट्टे की आईडी बनाकर खाईवाली करने के मामले में पकड़े गये आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

सदर थाना प्रभारी कैलाशचंद्र विश्नोई ने बताया कि दो युवकों के अलग-अलग स्थानों पर अपने मोबाइल फोन में ऑनलाइन वेबसाइट पर क्रिकेट मैचों पर सट्टा लगाने के लिये आईडी बनाकर खाईवाली करते घूमने की सूचना सायबर सैल व डीएसटी से सदर थाना पुलिस को मिली। इस पर पुलिस टीम ने हरणीकलां निवासी विनोद चौधरी (30) पुत्र बद्रीलाल जाट को पकड़ा और उसके मोबाइल फोन का विश्लेषण करते हुये पाया कि मोबाइल फोन में क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन वेबसाइट पर आईडी बनाकर करीब 65 लाख रुपये की सट्टे की खाईवाली की गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपित विनोद को गिरफ्तार कर 23 जून तक पुलिस रिमांड पर लिया था। वहीं एक अन्य कार्रवाई के तहत हनुमानगर्ग आजाद नगर निवासी गोपाल दास धिरवानी उर्फ गोपी सिंधी



सदर थाना पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश किया।

(35) पुत्र प्रेमचंद धिरवानी सिंधी को गिरफ्तार किया गया। गोपाल से पूछताछ कर उसके मोबाइल का विश्लेषण किया तो फोन में क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन वेबसाइट पर आईडी बनाकर करीब 25 लाख रुपये की सट्टे की खाईवाली करते हुये पाये जाने पर प्रकरण दर्ज किया गया।

थाना प्रभारी विश्नोई ने बताया कि

पकड़े गये आरोपित विनोद चौधरी से अनुसंधान कर अपराध में संलिप्त अन्य आरोपी भदादा मोहल्ला निवासी मनीष (49) पुत्र श्यामलाल भदादा, आसबी का बाग, बड़ला चौराहा निवासी दीपक भदादा (45) पुत्र सत्यनारायण भदादा, हलेड़ निवासी भगवती लाल जाट (35) पुत्र बलदेव जाट को गिरफ्तार किया था। थाना प्रभारी ने बताया कि

आरोपी दीपक, मनीष व भगवतीलाल को अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है। इसके अलावा इसी मामले में चार अन्य नामचीन लोगों की पुलिस को तलाश है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें बनाई गई हैं, जो संभावित स्थानों पर दबिश देकर अन्य की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही हैं।



कैंडलविक क्रिकेट अकादमी जीती



जयपुर, 21 जून। अंडर-16 अरावली कप में यति क्रिकेट अकादमी में पहले बल्लेबाजी करते हुए 28 ओवर में 116 रन 10 विकेट के नुकसान पर ऑल आउट हो गई। हसनैन ने 32 और वरुण ने 23 रनों का योगदान दिया। कैडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से हिमांक जलानी और मानव गुप्ता ने 3-3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैडलविक क्रिकेट अकादमी ने 31 ओवर में 119 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। फलक ने 37 और दशक पारी ने 30 रनों का योगदान दिया। यति क्रिकेट अकादमी और से अर्धशेक वर्मा ने तीनों और रामदेव ने दो विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच हिमांक जलानी को चुना गया।

देवांश ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक



नेराला कैप के लिए क्वालीफाई किया जोकि पंजाब की एलपीयू यूनिवर्सिटी में होगा। यहां पर चर्चित खिलाड़ी केडीत प्रियंथन चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। देवांश राज चौधरी पिछले 3 वर्षों से लगातार ताइक्वांडो का अभ्यास कर रहे हैं। देवांश राजस्थान जयपुर की द्रोणाचार्य स्पोर्ट्स अकादमी में अभ्यास करते हैं साथ ही देवांश राजस्थान स्पोर्ट्स अकादमी के निदेशक रमेश सिंह ने इस उपलब्धि पर देवांश एवं उसके कोच कुलदीप योगी को बधाई दी। अकादमी के निदेशक रमेश सिंह ने बताया कि देवांश बहुत ही होनहार खिलाड़ी हैं। निरंतर अकादमी में ताइक्वांडो का अभ्यास करता है। देवांश ने अपनी उपलब्धियों का श्रेय अपने माता-पिता को दिया। उन्होंने ताइक्वांडो में उनका सपोर्ट किया और आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

सुमित गोदारा अपने दोहरे शतक के करीब, शोभित मिश्रा व आयुष अमेरिया के अर्द्धशतक

जयपुर, 21 जून। आरसीए एडहॉक बीसीटी सदस्य विमल शर्मा ने बताया बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्ण तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक क्रिकेट संयोजक व विधायक जयदीप सिंह बिष्टा की निदेशानुसार राज्यस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियरयर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही



जयपुर में जारी बारिश के कारण पहली पारी पूर्ण नहीं होने के वजह से दोनों टीमों के बीच मैच को रिजर्व डे (कल)

राजस्थान राज्य जूनियर बॉयज फुटबॉल चैम्पियनशिप 2025
अधिराज नारायण मिश्रा जयपुर टीम के
कप्तान बने, अक्षज सोनी उपकप्तान बने



जयपुर, 21 जून। राजस्थान फुटबाल संघ के तत्त्वधान और जिला फुटबाल संघ संघीकर द्वारा आयोजित होने जा रही राजस्थान राज्य जूनियर बॉयज फुटबॉल चैंपियनशिफ 2025 में भाग लेने वाली जयपुर फुटबॉल की फुटबॉल टीम आज सीकर के लिए रवाना हुई। जयपुर जिला की 18 सदस्यीय टीम के कप्तान अधिराज नारायण मिश्रा को और उप कप्तान अक्षय सोनी को बनाया गया है। आरंभ चौपान स्टेडियम में जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के सदस्य अवलूत जम्बर, हितेश शर्मा और डॉ दिनेश सिंह चंडावत ने जयपुर टीम की घोषणा की और टीम के सदस्यों को टीम किट प्रदान किया।

अब्दुल जब्बार ने बताया कि जयपुर जिला फुटबॉल टीम का चयन 15 जून को आयोजित ट्रायल पर और उसके बाद आयोजित पांच दिवसीय कैप के आधार पर किया गया। ट्रायल में जयपुर जिले के 287 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें से अंतिम 18 सदस्य टीम का चयन किया गया है। पांच दिवसीय चयन और ट्रेनिंग कैप पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में चौमान स्टेडियम के फुटबॉल कोच हितेश शर्मा के मार्गदर्शन में अखिल भारतीय

आज का खिलाड़ी ▶



ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में धमाकेदार शतक जड़कर एक बार फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। एशिया के बाहर एक ही टेस्ट पारी में तीन भारतीय बल्लेबाजों द्वारा शतक लगाने का यह चौथा मौका है। पंत ने शोएब बशीर की गेंद पर एक हाथ से छक्का लगाकर अपने

क्या आप जानते हैं ?... भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट अगस्त 2021 में हुआ था, अब इंग्लैंड ने एक पारी और 76 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी।

ओली पोप का 9वां शतक

बुमराह ने रूट को 10वीं बार पैवेलियन भेजा, तीसरा विकेट लिया, इंग्लैंड 200 पार



लीड्स, 21 जून। भारत तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के पहले टेस्ट की पहली पारी में 471 रन पर ऑलआउट हो गया है। इंग्लैंड ने पहली पारी में दो विकेट पर 206 रन बना लिए हैं। ओली पोप और हैरी ब्रूक नाबाद हैं। पोप शतक बना चुके हैं। जो रूट 28, वेन डकेट 62 और जैक क्रॉली 4 रन बनाकर आउट हुए। तीनों को जसप्रीत बुमराह ने आउट किया। हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड में चल रहे मुकाबले

के दूसरे दिन शनिवार को भारतीय टीम ने 359/3 के स्कोर से खेल्ना शुरू किया और आखिरी 7 विकेट 112 रन बनाने में गंवाए। कप्तान शुभमन गिल ने 147, ऋषभ पंत ने 134 और यशस्वी जासवाल ने 101 रन की शतकीय पारियां खेलीं। केएल राहुल ने 42 रन का योगदान दिया। 23 साल बाद ऐसा हुआ है, जब इस मैदान पर तीन भारतीय बेटर्स ने एक पारी में शतक लगाए हैं। इससे पहले, सचिन

तेंदुलकर, राहुल द्रविड और सौरव गांगुली ने 2003 में शतक लगाया था। इंग्लैंड की ओर से कप्तान वेन स्टोक्स और जोश टॉन ने 4-4 विकेटे झटके। ब्रायडन कार्स और शेएव बशीर को एक-एक विकेट मिला। ओली पोप ने 47वें ओवर में शतक पूरा किया। उन्होंने लगातार दूसरे टेस्ट शतक लगाया है। यह पोप का 9वां शतक है। 46वें ओवर में इंग्लैंड ने 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया है।

**पंत शतकों की हैट्रिक लगाने वाले
विशिष्ट क्लब में हुये शामिल**

लीड्स, 21 जून। ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में धमाकेदार शतक जड़कर एक बार फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कर लिया है। एशिया के बाहर एक ही टेस्ट पारी में तीन भारतीय बल्लेबाजों द्वारा शतक लगाने का यह चौथा मौका है। पंत ने शोएब बक्षी की गेंद पर एक हाथ से छक्का लगाकर अपने टेस्टमैक अंदाज में नाबाद शतक बनाया, इससे पहले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी शर्मासवाल और कप्तान शुभम गिल ने शानदार शतक जड़े थे। तीनों के शतकों ने विदेश में भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए एक दुर्लभ और विशिष्ट उपलब्धि जर्ज की। एशिया के बाहर एक टेस्ट पारी में तीन भारतीय बल्लेबाजों द्वारा शतक लगाने का यह चौथा मौका है। इससे पहले 1986 में सुनील गावस्कर, श्रीकांत और मोहिंदर अमरनाथ ने सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। 2002 में राहुल द्रविड, सचिन तेंदुलकर और सोरव गांगुली ने हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ ऐसा किया था।

शतक के साथ दोरे की शुरुआत करना यादगार क्षण : जायसवाल

लीड्स, 21 जून। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड में अपने पहले टेस्ट शतक को भारतीय क्रिकेट में पर जायसवाल ने कहा, हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने, कड़ी मेहनत करने और देश के लिए प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं।

एक नए युग का हिस्सा बताया और हेडिंजले ने यादगार प्रदर्शन के लिए गौतम गंभीर के नेतृत्व में टीम का माहौल, नेतृत्व और तैयारी को श्रेय दिया। हेडिंजले ने पहले टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड में पदार्पण शतक लगाते विले जायसवाल ने कहा कि इस तरह से दौरे की शुभता करना एक विशेष क्षण था। उन्होंने कप्तान प्रसन्न गिल के साथ सौहार्द स्थापना की, जिन्होंने भी शतक बनाया। दिन के खेल की समाप्ति

मैं मजा आया और इससे मुझे यहाँ आने का आनन्दभावसम मिलता। परी के दौरान पैठन का अनुभव करी के बावजूद, जायसवाल ने कहा कि वह स्थिति को संभालने और गेंडबाजी चुनौतियों के अनुकूल होने पर केंद्रित रहे। उन्होंने कहा, खेल के दौरान ऐसे क्षण भी आये जब मुझे धीमा होना पड़ा, फ्रीड लैप्समें जो का आकलन करना पड़ा और उसके अनुसार खेलना पड़ा। टीम को जरूरतों के हिसाब से बदलेबाजी करना महत्वपूर्ण था। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनों में शतक बनाने पर विचार करते हुए, पाथ हाथ के

बल्लेबाज ने कहा मैं जहां भी जाता हूँ और जब भी खेलता हूँ, मेरा लक्ष्य हमेशा बड़ा स्कोर बनाना होता है। मुझे शतक बनाने में मजा आता है और मुझे वह एहसास बहुत पसंद है। बेंगलूर, कुछ पल बहुत खास होते हैं। इंग्लैंड में डेब्यू शतक, खासकर जब हमारे कप्तान शुभमन ने भी शतक बनाया।

यह इसे और भी यादगार बना देता है। किसी भी चीज़ का पहला प्रदर्शन हमेशा खास होता है और भारतीय क्रिकेट के लिए ऐसे मंच पर ऐसा करना कुछ ऐसा है जिसे

मैं हमेशा याद रखूँगा। उन्होंने कहा, हम सत्र दर सत्र खेलना चाहते थे। डीली गेंद को दंडित करना चाहते थे और स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाना चाहते थे। हमने वास्तव में एक साथ बल्लेबाजी का आनंद लिया। जायसवाल ने कहा, मैं बस खुश को सर्वश्रेष्ठ मौका देने की कोशिश कर रहा था। मैं अपने खेल और मानसिकता पर ध्यान केंद्रित किया। प्रारूप से ज्यादा तैयारी मायने रखती थी। हमें खेल का लुत्फ उठाने और खुलकर खेलने के लिए कहा गया है।

गिल ने की कोहली और गावस्कर की बराबरी

यशस्वी ने इंग्लैंड में पहली सेंचुरी लगाई

नई दिल्ली, 21 जून। तेंदुलकर-एंडर्सन ट्रॉफी के तहत भारत और इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट के पहले दिन भारत ने 3 विकेट खोकर 359 रन बना लिए हैं। लीड्स में शुभमन गिल बतौर कप्तान पहले मैच में शतक लगाने वाले 5वें भारतीय बने। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड में अपना पहला शतक लगाया। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए प्लेयर्स काली पट्टी बांधकर खेलते उरोशयशस्वी जायसवाल इंग्लैंड में पहले पारी में शतक बनाने वाले 5वें भारतीय बने। वे 101 रन बनाकर आउट हुए। जायसवाल को कप्तान वेन स्टोक्स ने बोल्ट किया। भारतीय ओपनर्स ने 39 साल के बाद लीड्स के हेंडिले स्टैडियम में 50 रन से ज्यादा की ओपनिंग साझेदारी की। यशस्वी जायसवाल और केपल राहुल ने 91 रन जोड़े। शुभमन गिल कप्तान बनने के बाद पहले मैच में शतक लगाने वाले 5वें भारतीय बने हैं। उससे पहले विजय हजारे, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और विराट कोहली यह कारनामा कर चुके हैं। काली पट्टी बांधकर खेलते उरते प्लेयर्स भारत-इंग्लैंड टीम के खिलाड़ियों, स्पोर्ट स्ट्याफ और दर्शकों ने मैच शुरू होने से पहले 2 मिनट का मौन रखा। साथ ही सभी प्लेयर्स काली पट्टी बांधकर भी खेलते उरते। 12 जून को अहमदाबाद के पहले हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को साई सुदर्शन 20 जून को टेस्ट डेब्यू करने वाले चौथे प्लेयर बने। वे भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले 317वें खिलाड़ी हैं। हालांकि, सुदर्शन अपने डेब्यू पर खाता भी नहीं खोल सके। राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली और विराट कोहली ने इस तारीख को डेब्यू किया था। खास बात यह है कि सभी ने 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेलें हैं। श्रद्धांजलि देने के लिए ऐसा किया गया।

**वॉद्रोसोव बर्लिन ओपन
के फाइनल में**

बर्लिन, 21 जून। छठी वरीयता प्राप्त चेक खिलाड़ी मार्केटा वॉद्रौसोवा ने बर्लिन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त बेलायूस की एरिना सवालेंका को 6-2, 6-4 से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD DIVISION BASERI

File No. 390-97

Date: 12.06.2025

Notice Inviting Bid

NIB code PWD2526A1295 and
UBN is: PWD2526WSRC04469, PWD2526WSRC04470
Bids For NIT No. 01/2025-26 Misc. Work of PWD Division
matter(s) of Procurement are Invited from interested bid
11.00 AM to Date 23.06.2025 upto 12.00 Noon. Other parties
visited on the procurement portal (<http://eproc.rajsppps.rajn.nic.in>) of the state; and PWD departmental web
value of the procurement is Rs. 80.00 Lacs

(Sagar Parashar)
Executive Engineer
PWD Division Baser

DIPR/C/8276/2025



